द फोटोन न्यूज

हिंदी दैनिक

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● रविवार, 23 मार्च 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 97 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सुविचार

जो व्यक्ति श्रम नहीं करता, देवता भी उसका भला नहीं कर सकते हैं।

पेंगुलइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं

शेयर बाजार

सेंसेक्स	:	58,237.85
निफ्टी	:	17,154.30

सर्राफा

सोना	:	5400
चांदी	:	68.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

ब्रीफ न्यूज

राहुल गांधी ने सरकारी बंगला खाली किया

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दिल्ली में 12 तुगलक लेन सरकारी बंगला खाली कर दिया। बीते एक हफ्ते से उनके बंगले से ट्रकों द्वारा सामान शिफ्ट किया जा रहा था। संसद से अयोग्य ठहराए जाने के बाद भाजपा सांसद सीआर पाटिल की अध्यक्षता वाली लोकसभा आवास समिति ने उन्हें बंगला खाली करने का नोटिस दिया था। राहुल गांधी को बंगला खाली करने के लिए 22 अप्रैल तक का समय दिया गया था। वे अपनी मां सोनिया गांधी के बंगले में शिफ्ट हुए हैं।

सेशंस कोर्ट से भी राहुल को नहीं मिली राहतमोदी सरनेम मानहानि केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत सेशंस कोर्ट से राहत नहीं मिली है। मोदी सरनेम मामले में 23 मार्च को निचली अदालत से मिली 2 साल की सजा के खिलाफ राहुल गांधी की ओर से याचिका दायर की गई थी। लेकिन सेशंस कोर्ट ने 20 मार्च को उनकी याचिका को खारिज कर दिया। कहा जा रहा है कि राहुल गांधी की ओर से अब गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

बीजेपी सत्ता में आई तो बोम्मई होंगे सीएम : तेजस्वी सूर्या

बंगलुरू : कर्नाटक में 10 मई को चुनाव होने हैं और मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस और बीजेपी में चर्चा भी तेज है। वहीं तमाम दावों-प्रतिदावों के बीच बीजेपी के नेता तेजस्वी सूर्या ने साफ कर दिया है कि बीजेपी अगर सत्ता में आई तो बोम्मई ही सीएम होंगे। पार्टी सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि अगर कर्नाटक में भाजपा सत्ता में आती है तो बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि 100 फीसदी, वह आज हमारे सीएम हैं, वह कल हमारे सीएम होंगे। सूर्या ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी विश्वसनीयता खो दी, उनका कोई भी आरोप टिक नहीं पाया। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष किया और कहा कि सबसे पुरानी पार्टी ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। कर्नाटक के लोग कांग्रेस को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं क्योंकि पार्टी ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। इस वजह से, वे जो कुछ भी कहते हैं, चाहे वह भ्रष्टाचार का आरोप हो या सुशासन का, चिपक जाता है।

भारत में कोविड-19 के 12,193 नए मामले

नई दिल्ली। भारत में 24 घंटे में कोविड-19 के 12,193 नए मामले सामने आए जबकि 42 लोगों की मौत हो गई। देश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 67 हजार पार हो गई। इस बीच केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु समेत 8 राज्यों को कोरोना संक्रमण को लेकर अलर्ट रहने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में अब तक कुल 4 करोड़ 48 लाख 81 हजार 877 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 4 करोड़ 42 लाख 83 हजार 021 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, 5 लाख 31 हजार 300 लोगों की मौत हो गई और 67,556 लोगों का इलाज जारी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण की वजह से 42 लोगों की मौत हो गई। इनमें केरल द्वारा मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करने के बाद जोड़े गए 10 और मामले भी शामिल हैं।

कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.66 फीसदी दर्ज की गई, 0.15 फीसदी कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा है और जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है।

सीएम ने दी ईद की शुभकामनाएं

विशेष संवाददाता, रांची।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड वासियों को ईद झ उल- फितर, अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दी है. मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा है कि शांति, एकता, हर्ष और उल्लास के इन त्योहारों में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए. सभी स्वस्थ रहें और न्याय, ज्ञान, शक्ति और साहस के प्रतीक भगवान परशुराम जी की कृपा सब पर बनी रहे, यही कामना है।

राजधानी रांची में नमाज अदा करते नमाजी

जमीन घोटाला में ईडी ने छवि रंजन को फिर भेजा समन

21 अप्रैल को भेजा था पहला समन, अब 24 अप्रैल को पूछताछ के लिए फिर बुलाया

- 13 अप्रैल को छापेमारी के साथ हुई थी पूछताछ
- एक अधिकारी समेत 7 लोगों की हुई है गिरफ्तारी

विशेष संवाददाता, रांची।

झारखंड के आईएएस अधिकारी छवि रंजन ईडी के समक्ष पेश नहीं हो पाए। जमीन की कथित अवैध बिक्री से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए समन भेजा था। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि ईडी ने नया समन जारी करते हुए उन्हें मामले में पूछताछ के लिये 24 अप्रैल को पेश होने के लिये कहा है। इससे पहले ईडी ने उन्हें 21 अप्रैल को शाम चार बजे तक उसके रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने के लिए कहा था। आईएएस छवि रंजन के वकील ने कहा कि वो शनिवार शाम को झारखंड की राजधानी रांची लौट आएंगे। इसलिए उन्हें नई तारीख का समन दिया जाए। छवि रंजन 2011 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। सूत्रों ने कहा कि छवि रंजन को एक नया समन जारी किया गया है और अब 24 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया जाएगा। छवि रंजन के वकील अभिषेक कृष्ण गुप्ता ने कहा कि चूंकि वे शहर से बाहर हैं और शनिवार शाम को लौटेंगे। इसलिए उनकी ओर से अगले सप्ताह कोई और तारीख देने का अनुरोध किया है। उन्होंने ईडी को आश्वासन दिया है कि वह पूछताछ के लिए पेश होंगे और मामले की जांच कर रही एजेंसी को पूरा सहयोग देंगे।

ईडी ने 13 अप्रैल को आईएएस अधिकारी से संक्षिप्त पूछताछ की थी, जब इस मामले में झारखंड, बिहार तथा पश्चिम बंगाल में उनके तथा अन्य लोगों के परिसरों पर छापे मारे गए थे। ईडी के सूत्रों ने कहा था कि कोलकाता में स्थित पश्चिम बंगाल सरकार के एक सहायक रजिस्ट्रार, बीमा को भी दो मई को गवाही देने के लिए कहा गया है।

जांच एजेंसी ने इन छापेमारी के बाद झारखंड सरकार के एक अधिकारी समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया था। छापेमारी की कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की गई और एजेंसी कथित रूप से रक्षा भूमि सहित अन्य जमीन को हड़पने के दर्जन भर से अधिक मामलों की जांच कर रही है। आरोप है कि इन जमीन सौदों के तहत भू माफिया, बिचौलियों और नौकरशाहों के एक समूह ने कथित तौर पर साठगांठ की और 1932 और उसके बाद की अवधि में जमीन के जाली कागजात और दस्तावेज बनाए। ईडी के सूत्रों ने कहा था कि इस घोटाले के तहत गरीबों और वंचितों की जमीन को हड़पा गया। जांच एजेंसी ने स्थानीय नगर निगम द्वारा कुछ व्यक्तिगत पहचान दस्तावेजों की जालसाजी के आरोप में दर्ज कराई गई एक प्राथमिकी को संज्ञान में लेते हुए मामले की पीएमएलए के तहत जांच शुरू की थी। सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान ईडी ने कई फर्जी मुहर, जमीन दस्तावेज और रजिस्ट्री दस्तावेज बरामद किए।

श्रीहरिकोटा से टेलीओएस-2 और ल्यूमलाइट-4 ने भरी उड़ान

श्रीहरिकोटा : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने शनिवार को अंतरिक्ष की दुनिया में एक बार फिर अपना परचम लहराए। करीब 2:19 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सिंगापुर के दो सैटेलाइट टेलीओएस-2 और ल्यूमलाइट-4 को लॉन्च किए गए। यह पीएसएलवी की 57वीं उड़ान

इन दोनों सैटेलाइट के साथ पीएसएलवी ऑरबिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल ने उड़ान भरी। दोनों सैटेलाइट धरती की निचली कक्षा में स्थापित किए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक ढडएट अंतरिक्ष के वैक्यूम (निर्वात) में कुछ टेस्टिंग करेगा। यह ढरछश की 57वीं उड़ान है।

टीएलईओएस-2 दिया गया मिशन को नाम : इस मिशन को टीएलईओएस-2 मिशन नाम दिया गया है। इस लॉन्चिंग के साथ ही अब ऑर्बिट में भेजे गए विदेशी सैटेलाइट की कुल संख्या 424 हो गई है। इसरो के एक अधिकारी ने कहा कि, सिंगापुर के दो उपग्रहों को ले जाने वाले भारत के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) का प्रक्षेपण किए गया है।

1993 में पहली बार लॉन्च : इस बार इसरो लॉन्चिंग में पीएसएलवी-सी55 रॉकेट का इस्तेमाल कर रहा है। ये इसरो का भरोसेमंद रॉकेट है। सितंबर 1993 में पहली बार इस रॉकेट से लॉन्चिंग गई थी। तब से अब तक 56 बार यह सैटेलाइट लॉन्च किया जा चुका है। सिंगापुर सरकार ने टेलीओएस-2 को वहां के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के साथ मिलकर तैयार

अफीम और डोडा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

रांची : रांची की तुपुदाना ओपी पुलिस ने अफीम और डोडा (नशीला पदार्थ) के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों के नाम राजेश नाग, एतवा मिर्धा और महबूब आलम है। राजेश नाग के पास से 492 ग्राम अफीम और एक स्कूटी, एतवा और महबूब के पास से 594.55 किलो डोडा, दो मोबाइल और एक वैन जब्त की गई है। हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अफीम और डोडा का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के बाद छापेमारी कर दसमाइल चौक से अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद छापेमारी के क्रम में रिंग रोड से दो तस्करों को डोडा के साथ गिरफ्तार किया गया।

मिली सूचना के आधार पर में टंडवा एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित किया है।

चीफ इंजीनियर ने रख रखा था सीए

हवाला नेटवर्क से करोड़ों रुपये पहुंचाए दिल्ली, हुआ खुलासा

विशेष संवाददाता, रांची।

झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम पर ईडी ने शिकंजा और कस दिया है। उनके खिलाफ ईडी ने शुक्रवार को रांची स्थित पीएमएलए कोर्ट में प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (पीसी) दाखिल किया है। इसमें उनकी अवैध कमाई के जरियों का जिक्र किया गया है। यह भी बताया गया है कि उसकी अवैध कमाई का हिस्सा किन-किन के बीच बंटता था। सरकारी टेंडर मैनेज करने वाले लोगों और अवैध तरीके से कमाई गई रकम को छिपाने के लिए अपनाए गए तौर तरीकों की जानकारी भी ईडी ने कोर्ट को दी है। ईडी ने बीते 21-22 फरवरी को ईडी ने उनके 24 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस दौरान 25 लाख रुपए कैश और डेढ़ करोड़ से भी ज्यादा के गहने बरामद किए गए थे। उन्हें ईडी ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। तब से

वह रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं। ईडी की इस कार्रवाई के बाद झारखंड सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

बीते 19 अप्रैल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी 39.28 करोड़ की संपत्तियां जब्त कर ली थीं। इनमें रांची के अलावा दिल्ली, जमशेदपुर और अन्य स्थानों पर स्थित उनके मकान, बंगले और भू-खंड भी हैं। ईडी ने अपनी अस्थायी जब्ती रिपोर्ट में बताया है कि बीरेंद्र राम अपने कमीशन की मोटी रकम हवाला के माध्यम से दिल्ली भिजवाते थे। रिपोर्ट के अनुसार, कमीशन में मिले पांच करोड़ रुपये जमशेदपुर से दिल्ली हवाला के माध्यम से पहुंचे थे। दिल्ली में बीरेंद्र राम के चार्टर्ड अकाउंटेंट मुकेश मित्तल ने रुपये को खपाने का पूरा इंतजाम किया था। हवाला कारोबारी रवि वाधवानी ने जमशेदपुर से अपने सहयोगी के माध्यम से पांच करोड़ रुपये दिल्ली मंगा कर दिल्ली में चांदनी चौक पर उक्त राशि लेने के बाद उसे मुकेश मित्तल तक पहुंचाया था। ईडी ने जांच में यह भी पाया है कि बीरेंद्र राम ने अपनी काली कमाई को छुपाने के लिए कई हथकंडों का सहारा लिया था। मसलन उसने टेंडर आवंटन के बदले मिलने वाले कमीशन को अपने परिवार और बेटों की आमदनी के रूप में दिखाना शुरू किया था। इसके लिए अपने चार्टर्ड एकाउंटेंट के सहयोग से बेटों और खुद हिन्दू अनडिवाइडेड फैमिली का कर्ता बनकर उसने इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना शुरू किया। इस आमदनी के लिए कोई दस्तावेज न देना पड़े इसलिए उसने आयकर अधिनियम की धारा 44 एडी का सहारा लिया। बीरेंद्र राम ने दिखाना शुरू किया कि उसके बेटों ने स्कूल और कॉलेज के दिनों से ही कंप्यूटर जॉब और ट्यूशन पढ़ाकर कमाई शुरू कर दी थी। उनके बैंक खातों में दिखाये गये रिटर्न से कहीं ज्यादा नकद राशि जमा की गयी थी।

रांची में ईदगाह में भीड़ बढ़ने के कारण सड़क पर नमाज अदा की गई, राहगीरों ने नमाजियों को किया सहयोग

देशभर में ईद का जश्न, मस्जिदों में उमड़े नमाजी

एजेंसी, नई दिल्ली।

समूचे देश में ईद का जश्न है। इस मौके पर लोग एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दे रहे हैं। ईदगाह और मस्जिदों में नमाज पढ़ने के लिए सुबह से ही लोग इकट्ठा हुए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ईद की बधाई दी है। दिल्ली के जामा मस्जिद के शाही ईमाम और लखनऊ में इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने शुक्रवार की शाम चांद के दीदार के बाद शनिवार को ईद-उल-फितर का ऐलान किया था। दिल्ली में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आजाद और बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ईद-उल-फितर के अवसर पर संसद मार्ग मस्जिद में नमाज अदा करने पहुंचे। यहां आजाद और शहनवाज हुसैन ने

ईदगाह में नमाज पढ़ते नमाजी ● एजेंसी

नमाज पढ़ी। दोनों नेताओं ने देशवासियों को ईद की मुबारकबाद दी है।

मुंबई के माहिम दरगाह में उमड़ी नमाजियों की भीड़

महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी है। शनिवार सुबह मुंबई की माहिम दरगाह में लोगों ने ईद की नमाज अदा की। इसके बाद एक-दूसरे के गले लगकर खुशियां मनाई।

मध्य प्रदेश: ईदगाह में लोगों ने पढ़ी नमाज : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ईद को लेकर लोगों में जश्न है। शनिवार सुबह सबसे पहले भोपाल के ईदगाह में नमाज पढ़ी गई, इसके बाद शहर के अन्य दूसरी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। शुक्रवार की शाम भोपाल के शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने चांद दिखने के बाद ईद मनाने का ऐलान किया था। मस्जिदों से आतिशबाजी की गई थी।

सीएम नीतीश पटना के गांधी मैदान पहुंचे : ईद-उल-फितर के मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के गांधी मैदान पहुंचे जहां लोगों ने नमाज अदा की। उन्होंने कहा कि हम यहां 2006 से यहां आ रहे हैं। यहां ईद बहुत अच्छे से आयोजित होती है। हम सबको बधाई देते हैं। सब लोगों के बीच प्रेम और भाईचारे का भाव होना चाहिए। हम सभी धर्म को मानने वालों का सम्मान करते हैं। ईद के मौके पर दिल्ली समेत पूरे देश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। गृह मंत्रालय ने दिल्ली को अलर्ट भी किया है। संवेदनशील इलाकों में खुफिया एजेंसियां भी मुस्तैद हैं। दिल्ली में मस्जिदों के बाहर दिल्ली पुलिस के अलावा अर्धसैनिक बलों की भी तैनाती की गई है। इससे पहले पीस कमेटियों के साथ बैठक करके शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

रांची ईदगाह का क्षेत्र पूरी तरह से नमाजियों से भर जाने के कारण लोग सड़कों पर भी नमाज अदा करते दिखे। प्रशासनिक पहल और सहयोग काफी चुस्त-दुरुस्त दिखा। वहीं सड़क पर आने जाने वाले राहगीर भी सड़क पर नमाज अदा करने वाले नमाजियों के प्रति आस्था के साथ सहयोग करते दिखे। आज ईद का त्योहार है और भारतीय परंपरा हमेशा भाईचारगी का संदेश देता आया है और देता रहेगा। ईद के मौके पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी।

चारधाम यात्रा शुरू : श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

एजेंसी, नई दिल्ली।

अक्षय तृतीया के मौके पर शनिवार को उत्तराखंड में चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो गया। तय कार्यक्रम के अनुसार गंगोत्री धाम के कपाट दोपहर 12:35 बजे और 12:41 बजे यमुनोत्री धाम के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। अब अगले छह माह तक श्रद्धालु गंगोत्री में मां गंगा और यमुनोत्री में मां यमुना के दर्शन कर सकेंगे। आज पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। इससे पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांव खरशाली से मां यमुना की डोली के प्रस्थान में शामिल हुए। उन्होंने विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। सीएम ने गंगोत्री में भी पूजा अर्चना में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के खुलने से उत्तराखंड में चारधाम

यात्रा की शुरूआत हो गई। चारधाम यात्रा हर्षोल्लास के साथ होगी। उन्होंने देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का देवभूमि उत्तराखंड में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भगवान बद्री विशाल, बाबा केदार, मां यमुनोत्री एवं गंगोत्री की कृपा सभी पर बनी रहे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर देश एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना भी की। 21 अप्रैल तक 16 लाख लोगों ने यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। उत्तराखंड सरकार ने तीर्थयात्रियों की निर्धारित संख्या में दर्शन करने पर लगी रोक हटा दी है।

मध्प्रदेश में होगी ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना, गुफा मंदिर परिसर बनेगा भवन

एजेंसी, भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना की जाएगी। साथ ही गुफा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशाल भवन का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव में श्रीपरशुराम लोक का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री चौहान शनिवार को भोपाल के गुफा मंदिर परिसर में बागेश्वरधाम के स्वामी पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज के सानिध्य में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर अक्षयोत्सव-2023 को संबोधित कर रहे थे।

भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर अक्षयोत्सव-2023 को संबोधित करते मुख्यमंत्री। ● द फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भगवान परशुराम न्याय के देवता थे। उन्होंने आततायियों का नाश करने के लिए शस्त्र उठाए। प्रदेश में कक्षा 8वीं के पाठ्यक्रम में भगवान परशुराम के जीवन-चरित्र को शामिल करने, संस्कृत और कर्मकांड का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने और पुजारियों को मानदेय देने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में आवश्यकता पड़ने पर संस्कृत शिक्षकों को नियुक्त करने का कार्य किया जाएगा। साथ ही मंदिरों की भूमि के संबंध में आवश्यक अधिकार भी रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म और संस्कृति की रक्षा के कार्य में ब्राह्मणों ने विशेष योगदान दिया है। विभिन्न अवसरों पर आवश्यक कर्मकांड के लिए शिक्षित और दीक्षित ब्राम्हण अपने दायित्व पूरे करते हैं। प्रदेश में 3547 संस्कृत शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। शासकीय विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों की आवश्यकता को देखते हुए और भी नियुक्तियाँ की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज द्वारा दिए गए सुझावों के अनुरूप राज्य सरकार आवश्यक कदम उठाएगी।

जन्मोत्सव कार्यक्रम में गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, विधायक रामेश्वर शर्मा, भोपाल महापौर मालती राय, पूर्व महापौर आलोक शर्मा, शशि भाई सेठ, जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने इसके पूर्व लालघाटी चौराहा स्थित दुर्गा मंदिर पहुँचकर अक्षय तृतीया पर पूजा अर्चना की। दुर्गा मंदिर से गुफा मंदिर परिसर तक शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें नागरिकों ने पुष्प-वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी की।

झारखंड बीजेपी नेताओं से धुर्वा थाना में हुई पूछताछ

दम है तो गिरफ्तार कर दिखाएं : दीपक प्रकाश

संवाददाता, रांची।

झारखंड भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश शनिवार को रांची स्थित धुर्वा थाने पहुंचे। दीपक प्रकाश के साथ विधायक सीपी सिंह और नवीन जायसवाल समेत कई नेता-कार्यकर्ता भी दीपक प्रकाश के साथ थाना पहुंचे थे। धुर्वा थाना प्रभारी विमल नंदन सिन्हा ने उनसे पूछताछ की। बंद कमरे में बीजेपी नेताओं से पूछताछ की गई। बाद में बाहर निकलने पर दीपक प्रकाश ने पत्रकारों को बताया कि बीजेपी ने 11 अप्रैल को शांतिपूर्ण तरीके से सचिवालय घेराव किया था। लेकिन हेमंत सरकार के इशारे पर शांतिपूर्ण आंदोलन को कुचलने के लिए कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया गया। बाद में बीजेपी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। उन्होंने कहा कि बीजेपी कानून का सम्मान करती है, इसलिए उनकी ओर से पूछताछ में सहयोग किया गया। दीपक प्रकाश ने कहा कि हेमंत सरकार एक नहीं सैकड़ों मुकदमे दर्ज कर लें, लेकिन पार्टी कार्यकर्ता टूटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे तो गिरफ्तारी देने थाना पहुंचे थे, अगर सरकार में दम है, तो उन्हें गिरफ्तार कर दिखाए। इस दौरान थाने के बाहर सैकड़ो बीजेपी कार्यकर्ता मौजूद थे।

बीजेपी कार्यकर्ताओं पर बैरिकेडिंग तोड़ने और पथराव का आरोप

इस दौरान हजारों की संख्या में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की तरफ से की गई बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान प्रशासन की तरह से जमकर लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। जबकि भीड़ की तरफ से पुलिस पर जमकर पथराव किया गया। जिसमें कई पुलिसकर्मी और मीडियाकर्मी घायल हो गए थे। इस मामले में मजिस्ट्रेट के बयान पर धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामले में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा समेत अन्य सांसदों-विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लेकिन इस प्राथमिकी में पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश का नाम नहीं था। जिसके बाद धुर्वा थाना में 22 अप्रैल को उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया।

11 अप्रैल 2023 को धुर्वा थाना घेराव मामले में बीजेपी अध्यक्ष दीपक प्रकाश के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कराई गई है। उनसे 11 अप्रैल को सचिवालय घेराव कार्यक्रम के दौरान उत्पन्न हुई स्थितियों के तथ्यों और परिस्थितियों को लेकर पूछताछ की गई। सचिवालय दौरान हजारों की संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता जुटे थे। राज्यभर के विभिन्न हिस्सों से जुटे बीजेपी कार्यकर्ताओं ने धारा 144 का उल्लंघन करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भाकपा अंचल कमेटी कोडरमा की हुई बैठक

संवाददाता, कोडरमा।

भाकपा अंचल कमेटी कोडरमा की शनिवार को श्यामली पब्लिक स्कूल लरियाडीह में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विगत कार्यक्रमों की कार्य रिपोर्ट अंचल मंत्री रामेश्वर यादव ने प्रस्तुत की। बैठक का संचालन अखिल भारतीय नौजवान संघ के जिला अध्यक्ष रंजन कुमार रजक ने किया।

बैठक में भाकपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य महादेव राम ने कहा कि आजादी के बाद 1958 में पॉलिटेक्निक कॉलेज की कोडरमा में स्थापना की गई थी। आज सरकार पॉलिटेक्निक कॉलेज को गोहाल में स्थानांतरित कर रही है जो इस क्षेत्र के लिए एवं बच्चों के लिए दुर्भाग्य है। कोडरमा में रेल मार्ग, एनएचआई तथा मेडिकल सुविधा, पुलिस स्टेशन वगैरह मौजूद है, लेकिन गोहाल में यह सब स्थापित होने में वर्षों लग जाएगा। साथ ही सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज जो निमार्णाधीन है, इसको भी पीपीपी मॉडल के तहत निजीकरण कर दिया गया।

भाकपा जिला मंत्री प्रकाश रजक ने कहा कि भाकपा जिला परिषद हर अन्याय के खिलाफ निरंतर संघर्ष करता रहा है। इसी कड़ी में पॉलिटेक्निक कॉलेज को स्थानांतरित करने, इंजीनियरिंग कॉलेज को प्राइवेट करने के सरकार के फैसले के खिलाफ 25 अप्रैल को जिला समाहरणालय के समक्ष विशाल धरना का कार्यक्रम किया जाएगा।

अखिल भारतीय नौजवान संघ के जिला अध्यक्ष रंजन कुमार रजक ने कहा कि राज्य सरकार अगर फैसला नहीं बदलती है तो नौजवान संघ कोडरमा जिला में शिक्षा के निजीकरण के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी।

भाकपा माले की 54वीं वर्षगांठ पर कार्यकर्ताओं ने मनाया स्थापना दिवस

संवाददाता, रामगढ़।

भाकपा माले की 54वीं पार्टी वर्षगांठ के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने रामगढ़ प्रखंड के ग्राम हेसला में स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर कामरेड चारू मजूमदार और पार्टी के सभी संस्थापक नेताओं सहित सभी साथियों को क्रांतिकारी श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिन्होंने 54 सालों में पार्टी को मजबूत बनाने और क्रांतिकारी आंदोलन को आगे की गति देने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।

इस मौके पर उपस्थित साथियों ने पार्टी स्थापना दिवस पर पार्टी ब्रांचों को सुदृढ़ करने और पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। फर,भाजपा के फासीवादी आक्रमण के खिलाफ जनता को संगठित और पार्टी को मजबूत कर विरोध का स्वर बुलंद करने का भी संकल्प लिया गया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल भाकपा माले के कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

इस अवसर पर सभी शहीदों और दिवंगत साथियों को लाल सलाम! भाकपा माले को मजबूत करो और जनता की व्यापक फासीवाद विरोधी एकता का निर्माण करो!! हम लड़ेंगे, जीतेंगे!! आदि नारे लगाए गए।

इस अवसर पर सरयू बेदिया, महादेव राम, लाल कुमार बेदिया, लाला बेदिया, सरजू बेदिया, फूलचंद करमाली, विजय प्रजापति, प्रकाश बेदिया, जगदीश बेदिया, कमलेश प्रजापति, रतन बेदिया, तनु राम, रूपलाल बेदिया, प्रेमचंद बेदिया,छोटन मुंडा, आलोक ठाकुर, शंकर ठाकुर, बसंत प्रजापति, रघुनाथ बेदिया,प्रकाश राम, शिंकू प्रजापति, भीम प्रजापति अन्य दर्जनों लोग थे।

छवि रंजन के खिलाफ कमिश्नर की रिपोर्ट पर सरकार ने क्यों नहीं की कार्रवाई, जांच करे ईडी : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता, रांची।

बाबूलाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सावधान करते और एक वीडियो जारी करते कहा है कि वे आँखें खोलें. देखें कि कैसे जमीन महघोटालेबाज आईएएस छवि रंजन के नेतृत्व में पुलिस की ताकत का दुरुपयोग होता था. पुलिस की मदद से टेंट लगाकर कर रात में भी जमीन कब्जा करवाया जाता था. ईडी की कारवाई के बाद जमीन कब्जा जुल्म से पीड़ित हुए लोग अब ऐसी सैकड़ों तस्वीरें थोक के भाव एजेंसी और मीडिया को भेज रहे हैं. ऐसी तस्वीरों के जरिये राँची जमीन लूट पाप की कहानी सामने आ रही है. आपके राज में ऐसा होने और ऐसी कहानियां सामने आने के बावजूद भी आप जाँच और कार्रवाई नहीं करेंगे तो इस पाप के जुर्म में आपको जेल जाने से कौन बचायेगा. बाबूलाल ने कहा है कि उनकी बातों को गंभीरता से लिया जाए. इस महापाप के दोषी उन प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों पर सरकार कार्रवाई करे जिन्होंने पैसों के लालच में सरकार की नाक के नीचे उसकी नाक काटने का काम किया है. उन्हें सजा दें. हो सकता है कि सरकार के ऐसे प्रायश्चित से उसके पाप थोड़े कट जाएं।

आदिवासी के नाम पर घड़ियाली आंसू

रांची जमीन घोटाले की जांच में मिल रहे कागजतों से बेईमानों एवं घोटालेबाजों के बारे में हैरान करने वाली ऐसी चीजो का पर्दाफाश होने लगा है. इस पर पहली नजर में कोई तुरंत विश्वास नहीं करेगा. खबरों से पता चल रहा है कि काली कमाई एवं बेईमानी का धन खपाने के लिये झारखंड के प्रभावशाली राजनैतिक राज परिवार के कई लोग ऐसी सम्पत्तियों को छूपा रखने के लिये अपने और अपने पिता के नाम तक में हेराफेरी करने का गोरखधंधा किये हुए हैं। कानून की पकड़ से बचने के लिये गलत काम कर लिए गये हैं. बेहिसाब सम्पत्तियों के बारे में आयकर या अन्य किसी विभाग से जानकारी छुपा रखी गई है. इसका खुलासा जाँच एजेंसियों को राँची जमीन महा घोटाला की जाँच के दरम्यान मिले कागजातों से हुआ है. अब ऐसे लोग घोटालेबाजी, जालसाजी में पकड़े जाने पर जेल जायेंगे. इससे बच निकलने को आदिवासी होने की दुहाई देकर घड़ियाली आंसू बहायेंगे।

मुंबई में शरद पवार से मिले प्रकाश आम्बेडकर, सियासी पारा चढ़ा

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार से शनिवार को वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने मुलाकात की है। यह मुलाकात आज दक्षिण मुंबई में स्थित यशवंतराव चव्हाण सेंटर में हुई है। इस मुलाकात के बारे में दोनों तरफ से गोपनीयता बरती जा रही है लेकिन इस मुलाकात ने राज्य में राजनीतिक पारा गरमा दिया है। चर्चा होने लगी है कि प्रकाश आंबेडकर बहुत जल्द महाविकास आघाड़ी में शामिल हो सकते हैं।

दरअसल, वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने हाल ही में बयान दिया था कि प्रदेश की राजनीति में बड़ा सियासी भूचाल आने वाला है। उसके बाद राज्य में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ था। अजीत पवार राकांपा के 40 विधायकों के साथ पार्टी छोड़? की भी जोरदार चर्चा हो रही थी। इस दौरान अजीत पवार पहुंच से बाहर हो गए थे। हालांकि बाद में अजीत पवार ने खुद पत्रकार वार्ता आयोजित कर कहा था कि वे आजीवन राकांपा में ही बने रहेंगे। उन्होंने मीडिया की उन खबरों का भी खंडन किया था, जिनमें कहा गया था कि वे 40 विधायकों के साथ पार्टी छोड़? वाले हैं। इसके बाद प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि तूफान कुछ दिनों के लिए थम गया है। इतना ही नहीं प्रकाश आंबेडकर कई बार शरद पवार की आलोचना कर चुके हैं। इसलिए आज उनकी शरद पवार के साथ हुई मुलाकात को अलग नजरिये से देखा जा रहा है।

प्रकाश आंबेडकर इससे पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिलकर उनकी पार्टी के साथ तालमेल करने की बात संयुक्त पत्रकार परिषद में कर चुके हैं।

पीएम 24 और 25 अप्रैल को मध्य प्रदेश, केरल, दादरा और नागर हवेली और दमन एवं दीव का करेंगे दौरा

कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन व शिलान्यास

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 और 25 अप्रैल को मध्य प्रदेश, केरल, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव का दौरा करेंगे। इस दौराव वह 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी सूचना दी है।

पीएम मोदी मध्य प्रदेश के रीवा में 24 अप्रैल को पूर्वाह्न लगभग साढे 11.30 बजे राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे यहां लगभग 17,000 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फाईल फोटो।

वहीं प्रधानमंत्री तिरुवनंतपुरम सेंट्रल रेलवे स्टेशन से 25 अप्रैल को सुबह लगभग 10.30 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद 11.00 बजे प्रधानमंत्री तिरुवनंतपुरम में सेंट्रल स्टेडियम में 3200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर बाद 4.00 बजे नमो चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान का दौरा करेंगे और लगभग 4.30 बजे वे दादरा और नगर हवेली सिल्वासा में 4850 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद शाम लगभग 06 बजे प्रधानमंत्री दमन में देवका सीफ्रंट का उद्घाटन करेंगे। यह सीफ्रंट लगभग 165 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 5.45 किलोमीटर में बनाया गया है। इस विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल में अत्याधुनिक प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग सुविधाएं, बगीचे, फूड स्टॉल, मनोरंजन के विभिन्न साधन उपलब्ध कराए गए हैं। भविष्य में यहां लग्जरी टेंट सिटी बनाने का प्रावधान भी किया गया है।

ब्रीफ न्यूज

सीएम ने राज्यवासियों को भगवान परशुराम जयंती और अक्षय तृतीया की दी शुभकामनाएं

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को भगवान परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि न्याय ज्ञान शक्ति और साहस के प्रतीक भगवान परशुराम की कृपा सभी पर बनी रहे। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने अक्षय तृतीया के पावन पर्व की राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि सभी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहे, यही ईश्वर से कामना करता हूं।

राज्यपाल ने राज्यवासियों को ईद-उल-फितर की बधाई दी

रांची : झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने समस्त राज्यवासियों को ईद-उल-फितर की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि यह त्यौहार हर्षोल्लास, शांति, एकता और आपसी भाईचारा का संदेश देता है। यह त्यौहार सबके जीवन में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली लाए, यह दुआ करता हूं।

सांसद संजय सेठ ने सांस्कृतिक महोत्सव के लिए राज्यपाल को किया आमंत्रित

रांची : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शनिवार को रांची के सांसद संजय सेठ ने राजभवन में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सांसद ने पांच से सात मई को रांची में आयोजित होने वाले सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के लिए राज्यपाल को आमंत्रित किया। इस अवसर पर पद्मश्री मुकुन्द नायक, पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख, एस.डी. सिंह सहित आयोजन समिति से जुड़े विभिन्न सदस्य और युवा रंगकर्मी उपस्थित थे।

आजसू अध्यक्ष सुदेश महतो ने दी ईद की शुभकामनाएं

रांची : झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने शनिवार को समस्त झारखंड वासियों को ईद की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि रमजान के पाक महीने में रोजेदारों की ओर से की गई इबादतों से प्रदेश में शांति, उन्नति एवं समृद्धि आएगी। सभी को ईद की दिली मुबारकबाद। महतो ने कहा कि ईद का पावन पर्व हमें प्रेम, शांति, एकता, परस्पर सद्भाव एवं उदारता का संदेश देता है। इस मौके पर हमें यह संकल्प लेना है कि हम एक-दूसरे की भावनाओं का ख्याल रखते हुए मानव जाति के विकास के लिए तथा एक-दूसरे की तरक्की के लिए हाथ से हाथ मिला कर चलेंगे।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने अरुणाचल में 254 4-जी मोबाइल टावर राष्ट्र को किए समर्पित

इटानगर : केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांवों के लिए 254 4-जी मोबाइल टावर राष्ट्र को समर्पित किए। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि पूर्वोत्तर के विकास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष जोर है। राज्य के सीमावर्ती गांवों के नजदीक 4-जी टावर की शुरूआत इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि 254 टावर सीमावर्ती 336 गांवों को डिजिटल सम्पर्क से जोड़ेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर और मुख्यमंत्री पेमा खांडू वर्चुअली उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि अरुणाचल के लोगों के लिए केंद्र सरकार की ओर से यह एक खूबसूरत उपहार है, जिसमें अन्य बुनियादी विकास सुविधाएं शामिल हैं। छह से सात महीने के बाद राज्य के प्रत्येक गांव विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्र के गांव 4जी मोबाइल टावर से जुड़ जाएंगे। हम इस खूबसूरत तोहफे के लिए प्रधानमंत्री मोदी के बहुत आभारी हैं। क्षेत्र में विकास के लिए सरकार की योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए सभी विभागों जैसे बीआरओ, बिजली, राजमार्ग आदि का उपयोग किया जा रहा है।

संबलपुर दंगा को लेकर प्रदेश भाजपा ने लिखा केन्द्रीय गृह मंत्री को पत्र

भुवनेश्वर : संबलपुर हनुमान जयंती पर निकली बाइक रैली पर हुए सांप्रदायिक दंगा मामले में केन्द्र सरकार हस्तक्षेप करे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिख कर यह अनुरोध किया है। इस पत्र में भाजपा के सांसद एवं विधायकों ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इस पत्र के जरिये प्रदेश भाजपा ने संबलपुर में हनुमान जयंती की बाइक रैली के दौरान हुए घटनाक्रम के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया है। पत्र में कहा गया है कि हनुमान जयंती में हिंसा की आशंका व्यक्त कर केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को सचेत रहने के लिए गाइडलाइन जारी की थी। इसके बावजूद हनुमान जयंती शोभायात्रा एवं यात्रा के पूर्व दंगा एवं हिंसा के बारे में जान न पाना राज्य सरकार के खुफिया व्यवस्था के विफलता को स्पष्ट करता है। कानून व्यवस्था की रक्षा के नाम पर कर्फ्यू जारी है तथा पूरे जिले में इंटरनेट बाधित है। इस कारण जिले के लोगों को भारी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। पत्र में कहा गया है कि हनुमान जयंती के शोभायात्रा में पिछले साल भी उसी समान स्थान पर हमला किया गया था। दो सौ से अधिक मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्रित होकर तलवार, लोहे का रॉड और लाठी से संबलपुर शहर के मोतीझरन इलाके में मोटर साइकिल रैली पर हमला किया। पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में इस बात को स्वीकार किया गया है कि पहले से ही मोटर साइकिल रैली पर हमला करने की योजना बनाई गई थी। एसपी ने भी स्वीकार किया है कि दंगा के लिए उन लोगों ने पूर्व से सुनियोजित योजना तैयार की थी। पत्र में कहा गया है कि दंगाइयों के खिलाफ यूएपीए एवं एनएसए जैसी धारा लगाई जानी चाहिए। शोभायात्रा का वीडियो पुलिस के पास है। बीजद सरकार राजनीतिक हित को ध्यान में रखते हुए दंगाइयों को बचाने का प्रयास में है। वहीं पीड़ितों को गिरफ्तार कर जेल में डाल रही है। राज्य सरकार के निकम्मेपन के कारण आज घुसपैठिए, सांप्रदायिक एवं राष्ट्रविरोधी शक्तियां यहां एकजुट होकर इस तरह के कार्य कर रही हैं तथा राज्य सरकार इसे रोकने में नाकाम है। इससे इस तरह की घटना राज्य के अन्य हिस्सों में फैलने की आशंका बढ़ती जा रही है। घुपसैठियों द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा करने तथा वहां गैर कानूनी रूप से भवन बनाने तथा अवैध हथियारों एवं विस्फोटक बनाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस इस तरह के राष्ट्रविरोधी कृत्यों की अनदेखी कर रही है। इस पत्र में मामले की एनआईए जांच किये जाने के साथ हिंसा में पीड़ित लोगों को मुआवजा देने की मांग की गई है। इस पत्र में सामल के साथ सांसद अपराजिता षड़ंगी, विधायक मोहन माझी, नाउरी नायक, ललितेंदु महापात्र, के नारायण राव, डॉ बुधान मुर्मू तथा सूर्यवंशी सूरज ने हस्ताक्षर किया है।

स्वस्थ भारत हमारा मिशन : भैयाजी जोशी

मुंबई : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी जोशी ने शनिवार को पुणे में कहा कि स्वस्थ भारत हमारा मिशन है। रोगमुक्त भारत इसका पहला कदम है। भैयाजी जोशी ने पुणे में बालासाहेब देवरस अस्पताल के भूमिपूजन कार्यक्रम में यह बात कही। अस्पताल का निर्माण पुणे मेडिकल सर्विसेज बोर्ड एंड रिसर्च फाउंडेशन की ओर से किया जा रहा है। भैयाजी जोशी ने कहा कि यह हमारी संस्कृति सिखाती है कि सभी को निर्दोष होना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा शारीरिक स्वास्थ्य से अधिक जटिल होता जा रहा है। व्यक्ति और समाज को मानसिक रूप से सशक्त होने की जरूरत है। दवा से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है, लेकिन आपको मानसिक स्वास्थ्य के लिए काम करना होगा। इसलिए स्वस्थ भारत की व्यापक अवधारणा के साथ काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा ही भारत का सच्चा स्वरूप और चेहरा है। इस अवसर पर पुणे के प्रभारी मंत्री चंद्रकांत पाटिल और सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी महाराज वर्चुअली जुड़े थे।

ब्रीफ न्यूज

सूडा के निदेशक ने शहरों को गार्बेज फ्री करने का दिया निर्देश

रांचीः रांची राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक अमित कुमार सभी नगर निकायों के अधिकारियों को कहा कि स्वच्छ भारत मिशन 0.2 से वे शहरों को गारबेज फ्री करने, वैस्ट मैटेरियल के डिस्पोजल के साथ साथ उसके रीयूज पर भी फोकस करने व साफ सफाई अभियान तेज करने को कहा. अधिकारियों को यह भी कहा की अमृत 2.0 मिशन से हर घर में जल पहुंचाना सुनिश्चित करना होगा. सभी नगर निकायों को कई निर्देश भी दिया है. निदेशक ने दोनों केंद्रीय योजनाओं में शत प्रतिशत लक्ष्य पाने के लिए जनभागीदारी के सहयोग से काम करने को भी कहा. इसके संबंध में सभी निकायों को पत्र लिखा गया है।

रिम्स का निलंबित कर्मी पर है हत्या कराने के आरोप

रांची : ईडी ने आर्मी की जमीन को अवैध तरीके से बेचे जाने के आरोप में जिन सात लोगों को पिछले दिनों गिरफ्तार किया है. उसमें शामिल अफसर अली उर्फ अफ्सू खान और मो. सद्दाम हुसैन पर कई गंभीर आरोप भी हैं. रिम्स के रेडियोलॉजी विभाग के निलंबित रेडियोग्राफर मो. अफसर अली जमीन का नेचर बदलने, खाता-प्लॉट या क्षेत्रफल बदलवाने से लेकर कोलकाता में फर्जी डीड तैयार करने का असली मास्टरमाइंड है. इसके अलावा नवंबर 2022 में जमीन कारोबारी शेखर महतो पर जमशेदपुर के धामूलगढ़ इलाके में फायरिंग की घटना को अंजाम देने का आरोप भी अफसर अली के अलावा सद्दाम हुसैन और प्रियरंजन सहाय पर है। इस मामले में पुलिस ने बिट्टू सिंह, सद्दाम हुसैन सहित पांच आरोपी को गिरफ्तार किया था. आरोपियों के पास से दो पिस्टल, पांच मोबाइल और घटना में प्रयोग होने वाले बाइक बरामद किया था. मो. सद्दाम हुसैन ने पुलिस को पूछताछ में बताया था कि अफसर अली, शेखर महतो, प्रियरंजन सहाय, नेपाल महतो, विपिन कुमार और मैने एक जमीन में पैसा लगाया था. शेयर को लेकर अफसर खान, प्रियरंजन सहाय और शेखर महतो के साथ विवाद हो गया. जिसके उपरांत सद्दाम द्वारा शेखर महतो को मारने के लिए आदित्य सिंह उर्फ बिट्टू सिंह नामक अपराधी को सुपारी दी गई थी. शेखर महतो को रास्ते से हटाने की योजना बनी. अफसर अली और प्रियरंजन सहाय ने कहा- सद्दाम तुम शेखर को रास्ते से हटाने का प्लान करो, जितना पैसा लगेगा हमलोग खर्चा करेंगे. इसके बाद बिट्टू सिंह को 15 लाख में सुपारी दी गई. योजना के तहत घाटशिला के पास एनएच के किनारे बिल्लू ढ़ाबा के पास बुलाया, और घटना को अंजाम दिया गया।

रांची जिला मलखंब प्रतियोगिता का उद्घाटन, 80 खिलाड़ियों ने लिया भाग

रांची : रांची जिला मलखंब एसोसिएशन के तत्वावधान में दो दिवसीय रांची जिला बालक-बालिका प्रतियोगिता का उद्घाटन शनिवार को बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय, धुर्वा के प्रांगण में हुआ. राजद नेता झारखंड प्रदेश खटाल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गौरी शंकर यादव, राहुल यादव, समाजसेवी विधा भूषण यादव एवं शंकर यादव ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर इसका उद्घाटन किया. प्रतियोगिता में अलग-अलग वर्ग में 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया. आगंतुकों का स्वागत एवं मंच संचालन रांची जिला मलखंब एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय झा ने किया. प्रतियोगिता का संचालन वरिष्ठ प्रशिक्षक विवेक कुमार ने किया. धन्यवाद ज्ञापन जिला संघ की कार्यकारिणी सदस्य सौम्या सेजल वर्मा ने किया।

atomy
ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रांची में ईदगाह में भीड़ के कारण सड़क पर नमाज अदा किये गये

विशेष संवाददाता, रांची।

30 दिनों के रोजा रखने के बाद ईद का त्योहार मुस्लिम धर्मावलंबियों के लिए बेहद ही खास होता है। यूं तो मुस्लिमों के लिए पांच वक्त का हर रोज नमाज अदा करना उनके धर्म और मान्यता के अनुसार जरूरी होता है, पर ईद के दिन विशेष तौर पर नमाज अदा करने का महत्व ही कुछ और है। इस दिन अहले सुबह से ही मुस्लिम धर्मावलंबी चाहे बच्चे हो या बुजुर्ग अपने अपने क्षेत्र के समीप स्थित ईदगाह या घोषित नमाज अदा होने वाले मस्जिदों में नमाज अदा करते हैं मुस्लिम महिलाएं इस दिन घर पर ही नमाज अदा करती हैं। राजधानी रांची में ईद के अवसर पर तय समय के अनुसार विभिन्न मस्जिदों और ईदगाह में नमाज अदा की गई। डोरंडा स्थित मस्जिद में लोग नमाज अदा कर एक दूसरे को ईद की गले मिलकर ईद की बधाई दी। वही काफी पुराने समय से प्रसिद्ध रांची ईदगाह मे मुस्लिम भाइयों का हुजूम नमाज अदा न करने के लिए उमड़ पड़ा। रांची ईदगाह का क्षेत्र पूरी तरह से नमाजियों से भर जाने के कारण लोग सड़कों पर भी नमाज अदा करते दिखे। प्रशासनिक पहल और सहयोग काफी चुस्त-दुरुस्त दिखा। वहीं सड़क पर आने जाने वाले राहगीर भी सड़क पर नमाज अदा करने वाले नमाजियों के प्रति आस्था के साथ सहयोग करते दिखे। आज ईद का त्योहार है और भारतीय परंपरा हमेशा भाईचारगी का संदेश देता आया है और देता रहेगा। ईद के मौके पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में बताया कि यह शांति, हर्षोल्लास और अमन का त्योहार है। उन्होंने सभी के जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने ने भी ईद की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अभी कुछ दिन पहले सभी ने मिलकर रामनवमी और अन्य त्योहार मनाया था। अब सभी मिलकर ईद मना रहे हैं। इसी तरह भाईचारगी के साथ समाज में अमन-चैन बनाए रखना है। एक-दूसरे का सम्मान करना है। ईद को लेकर राजधानी रांची में काफी चहल-पहल देखी गई। रांची में ईद की नमाज अदा करने के लिए लोग विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में जमा हुए। बिना टोपी के ईद के मौके पर नमाज अदा नहीं की जाती है। नमाज के दौरान टोपी का अलग महत्व रहता है। इसलिए नमाज पढ़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति अपने सिर को ढकने के लिए टोपी का उपयोग करते हैं। नमाज के लिए शनिवार सुबह भी टोपी की खूब बिक्री हुई। बाजार में तुर्की, बांग्लादेशी, पाकिस्तानी, ओमानी, अफगानिस्तानी, ओवैसी और फैंसी टोपी की खूब मांग रही।

रांची का मौसम हुआ खुशनुमा, शहर के कई इलाकों में हुई बारिश

27 अप्रैल तक ऐसा ही रहेगा मौसम का हाल- मौसम वैज्ञानिक

विशेष संवाददाता, रांची।

अभी कुछ दिन पहले तक पूरे झारखंड में गर्मी अपने चरम पर थी. तपती धूप से लोगों का बुरा हाल था. सुबह कड़ी धूप खिली थी लेकिन दोपहर के बाद अचानक मौसम में बदलाव देखने को मिली. राजधानी रांची समेत आस-पास के कई इलाकों में हल्की बारिश हो रही है. साथ ही तेज हवाएं भी चल रही है. बारिश से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है. बता दें, राजधानी रांची समेत राज्यभर में मौसम का मिजाज (कड़ी धूप की तपिश और गर्मी) देखकर लग ही नहीं रहा था कि ये गर्मी कभी कम भी होगी. लेकिन 2 दिन के बारिश ने पूरे मौसम का मिजाज ही बदल कर रख दिया है. इन दो दिनों की बारिश में शहर का तापमान भी गिर गया है. राज्य के कई जिलों में अभी भी बादल छाए हुए. राजधानी रांची में अभी भी बूंदा-बांदी बारिश हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 27 अप्रैल तक मौसम का हाल ऐसे ही रहने वाला है. इस दौरान राज्य में कहीं-कहीं पर बादल छाए रहेंगे. हालांकि कुछ हिस्सों में धूप के खिले रहने की आशंका जताई जताई गई है।

जेएसएससी ने 10 प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जारी किया एग्जाम कैलेंडर

विशेष संवाददाता, रांची।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने एग्जाम कैलेंडर 2023 जारी कर दिया है. फिलहाल उसकी ओर से उसकी वेबसाइट पर 10 प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शिड्यूल जारी किया गया है. इसके मुताबिक झारखंड प्रयोगशाला सहायक प्रतियोगिता परीक्षा इसी वर्ष जून माह के अंतिम सप्ताह में ली जा सकती है. इसके लिए सीबीटी प्रणाली के आधार पर परीक्षा होगी. इसी तरह पीजी प्रशिक्षित शिक्षक प्रतियोगिता परीक्षा सीबीटी के आधार पर जुलाई महीने के दूसरे सप्ताह में होगी. झारखंड डिप्लोमा स्तर संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा सीबीटी के आधार पर अगस्त माह से पहले सप्ताह में ली जायेगी. झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा ओएमआर के आधार पर सितंबर के पहले सप्ताह में ली जायेगी. इसके लिए मई महीने के पहले सप्ताह में विज्ञापन जारी किये जायेंगे। झारखंड नगरपालिका सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के लिए मई माह के पहले सप्ताह में विज्ञापन जारी होगा. सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में इसकी परीक्षा ली जायेगी. उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा के लिए भी विज्ञापन मई माह के दूसरे सप्ताह में जारी होगा जबकि इसके लिए जुलाई से सितंबर के बीच फिजिकल टेस्ट और नवंबर के पहले सप्ताह में लिखित परीक्षा होगी। महिला पर्यवेक्षिका प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के लिए एग्जाम अगस्त माह में होगा. मई में इसका विज्ञापन आयोगा जबकि अक्टूबर के पहले सप्ताह में इसका रिजल्ट आयेगा. झारखंड औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा के विभिन्न व्यवसायों में ट्रेनिंग अफसर के लिए प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन अगस्त में होगा. मई के अंतिम सप्ताह में विज्ञापन जबकि अक्टूबर में इसका रिजल्ट जारी किया जायेगा. मैट्रिक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा के लिए जून के दूसरे सप्ताह में विज्ञापन जारी होगा. परीक्षा अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में और दिसंबर तक रिजल्ट जारी होने की उम्मीद है।

बकोरिया कांड में पक्षपातपूर्ण जांच और क्लोजर रिपोर्ट से सीबीआई का मुखौटा फिर हटा : बंधु तिर्की

रांची : पूर्व मंत्री, झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई की आलोचना की है. कहा है कि पलामू सदर थाना क्षेत्र के सतबरवा ओपी अंतर्गत बकोरिया में 8 जून 2015 को हुई कथित पुलिस नक्सली मुठभेड़ के मामले में सीबीआई की पक्षपात पूर्ण जांच और उसकी क्लोजर रिपोर्ट से यह जाहिर हो गया है कि यह एजेंसी पूरी तरीके से केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है. क्लोजर रिपोर्ट के बाद सीबीआई के चेहरे से उसका बचा-खुचा मुखौटा भी उतर चुका है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो पूरी तरीके से केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है. यही कारण है कि जहां विपक्षी नेताओं पर लगे आरोपों पर उसकी कार्रवाई तेज गति से होती है. वहीं जो नेता भाजपा में चले जाते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई रोक दी जाती है. श्री तिर्की ने कहा कि पलामू का बकोरिया कांड एक ऐसा नरसंहार था, जिसकी हो रही जांच पर झारखंड के सवा तीन करोड़ लोगों की नजर थी. लेकिन इस मामले में सीबीआई ने न केवल क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर दी है, बल्कि अपने मुखौटे को भी उतार फेंका है। तिर्की ने कहा कि बकोरिया ऐसा कांड था, जिसमें सिपाही से लेकर पुलिस महानिदेशक स्तर तक के अनेक अधिकारियों से सीबीआई ने पूछताछ की थी. इसके अलावा पुलिस पर पीड़ित परिवारों के द्वारा जो आरोप लगाये गये थे, उसके मामले में भी सीबीआई ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसे कोई भी साक्ष्य नहीं मिला है. कहा कि 10 निर्दोष व्यक्तियों एवं बच्चों की हत्या के दोषियों के विरुद्ध जांच के उपरांत समर्पित यह क्लोजर रिपोर्ट बहुत ही गंभीर मामला है. इस मामले में विशेष रूप से झारखंड के भाजपा नेताओं को अपनी स्थिति

ऑफिसर फील्ड में उतर कर कंज्यूमर के बिजली मीटर की करेंगे औचक जांच, टीम गठित

रांची : झारखंड बिजली वितरण निगम के अधिकारी अब फील्ड में जाकर अचानक उपभोक्ताओं के मीटर की जांच करेंगे. इसमें एचटी से लेकर घरेलू उपभोक्ता भी हो सकते हैं. इसके लिए टीम का गठन किया गया है. निगम के निदेशक (वाणिज्य एवं ऊर्जा लेख) मनीष कुमार द्वारा टीम गठित कर दी गयी है. टीम में अरविंद कुमार (कार्यकारी निदेशक झ वाणिज्य एवं राजस्व), शुभंकर झा (महाप्रबंधक-राजस्व), अंजना शुक्ला दास (उपमहाप्रबंधक-राजस्व) एवं गौतम मुखर्जी (उपमहाप्रबंधक-एपीटी) शामिल हैं. इनके नेतृत्व में अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मुख्यालय स्तर पर चार टीम का गठन किया गया है. निदेशक मनीष कुमार द्वारा रामगढ़, कोडरमा एवं सिमडेगा आदि जगहों पर स्वयं जाकर निरीक्षण किया गया है। एरिया बोर्ड वार एचटी एवं एलटीआईएस श्रेणी के उपभोक्ताओं के परिसर में पहुंच कर मीटर आदि की जांच।

झारखंड में 300 के पार पहुंची कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या

रांची में सबसे अधिक मामले, चपेट में 20 जिले

विशेष संवाददाता, रांची।

राजधानी समेत झारखंड में इन दिनों कोरोना संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी संक्रमितों के आंकड़ों में नजर लगाई जाए तो झारखंड में इस वक्त सक्रिय कोरोना के मामले 300 के पार पहुंच गई है. बता दें, पूरे राज्य में कोरोना के कुल 309 मामले सामने आए है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कुल 49 नए कोरोना संक्रमित मरीज पाए गए है जबकि 24 मरीज स्वस्थ हुए है. राज्य में लगातार संक्रमण का बढ़ता ग्राफ चिंता का सबब बनता दिख रहा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अब राज्य के 20 जिले में कोरोना की चपेट में आ गया है. विभाग के अनुसार, सिमडेगा, दुमका, साहेबगंज और सरायकेला को छोड़ सभी जिलों में कोरोना के मरीज पाए गए हैं. अगर समय रहते संक्रमण के फैलाव और इससे बचाव को लेकर ऐहतियात ना बरती गई है संक्रमण आगे और भी हाहाकार मचा सकती है। बता दें, पूरे राज्य में सबसे अधिक कोरोना मरीजों की संख्या राजधानी रांची में मिले है. रांची में पिछले 24 घंटे में 10 कोरोना के नए मरीज पाए गए है. उसके बाद सबसे ज्यादा मामले पूर्वी सिंहभूम से सामने आए है. वहीं देवघर से 7 और बोकारो में 3 मामले सामने आये हैं, जबकि लातेहार, गिरिडीह में 4, लोहरदगा में 6, हजारीबाग में 2 संक्रमित मिले हैं. सबसे कम कोरोना के मरीज गोड्डा, गुमला, पलामू और चतरा में 1-1 मामले मिले हैं. हालांकि, राहत वाली बात ये हैं कि बीते 24 घंटे में किसी भी मरीज की मौत कोविड की वजह से नहीं हुई है। राज्य में प्रतिदिन कोरोना की जांच हो रही है. बीते 31 मार्च को राज्यभर में कुल 1,156 सैंपल की जांच हुई. जिसमें 8 मरीज संक्रमित पाए गए।

हेमंत सोरेन पर शिकंजा कसने की तैयारी में ईडी, रांची ऑफिस में लाए गए लैंड डॉक्यूमेंट

- हेमंत सोरेन के परिवार की संपत्ति के ब्योरे जुटाए ईडी ने
- रांची में 18 प्रापर्टी के दस्तावेज की कापी ईडी के हाथ लगे
- खनन लीज के डीड की कापी भी ले गए ईडी के अफसर
- हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी के हल्ला बोल की है तैयारी

विशेष संवाददाता, रांची।

दिल्ली से सीएम अरविंद केजरीवाल, जम्मू के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के बाद झारखंड की सोरेन फैमिली मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ सबूत इकट्ठा करने का काम शुरू कर दिया है। पत्थर खनन घोटाले में हेमंत के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, सत्ता से निकट संबंध रखने वाले प्रेम प्रकाश समेत कई लोगों की गिरफ्तारी के बाद अब हेमंत सोरेन पर शिकंजा कसने की ईडी की पूरी तैयारी है। वैसे पहले भी ईडी ने हेमंत सोरेन से पूछताछ की है। संभव है कि आने वाले दिनों में उनसे और उनके परिजनों से ईडी पूछताछ करे। ईडी के अधिकारी अचानक रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचे। उन्होंने हेमंत सोरेन और उनके परिवारी जनों की भू संपत्ति के ब्योरे की सूची रजिस्ट्रार को सौंपी। उनसे उन संपत्तियों के सेल डीड की सत्यापित प्रति देने की मांग की। देर रात तक रजिस्ट्रार ने 18 भू संपत्ति के दस्तावेज की सत्यापित प्रति ईडी को मुहैया कराई। इनमें खनन पट्टा लीज के वे दस्तावेज भी हैं, जिनके बारे में आरोप है कि सीएम रहते हेमंत ने अपने नाम खनन पट्टा लिया था। ईडी के अधिकारियों ने रजिस्ट्री कार्यालय से हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना मुर्मू, भाई बसंत सोरेन और उनकी पत्नी के अलावा शिबू सोरेन की 18 प्रॉपर्टी के दस्तावेज निकलवाए। सारे दस्तावेज की सत्यापित प्रति वे अपने साथ ले गए। ये वैसी संपत्तियां हैं, जो रांची में सोरेन परिवार के नाम हैं। इसके साथ हेमंत सोरेन के नाम खनन पट्टा लीज के दस्तावेज भी ईडी के पास पहुंच गए हैं। अनुमान है कि इन प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री गलत तरीके से हुई है। हाल ही में सेना की जमीन फर्जी दस्तावेज के आधार पर बेचने का मामला उजागर होने के बाद ईडी ने यह काम किया है। सेना की जमीन बेचने के मामले में ईडी ने जिन दलालों को गिरफ्तार किया है, उनसे मिली जानकारी के आधार पर ही ईडी ने यह कार्रवाई की है। हेमंत सोरेन के खनन पट्टा लीज को लेकर पहले भी घमासान मच चुका है। हाईकोर्ट में यह मामला तो चल ही रहा है, राज्यपाल के यहां भी यह मामला पेंडिंग है।

पटना के पारस अस्पताल में चल रहा था इलाज, कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय ने जताया शोक

नहीं रहे बिहार के लोकप्रिय पत्रकार सुनील सौरभ

विशेष संवाददाता, रांची।

बिहार के पटना जिले के बख्तियारपुर प्रखंड अंतर्गत करनौती गांव निवासी जाने माने पत्रकार सुनील सौरभ का शनिवार को अहले सुबह निधन हो गया. पिछले कई दिनों से पटना के पारस अस्पताल में पेट व किडनी की समस्या को लेकर वह इलाजरत थे. चिकित्सकों ने मल्टी ऑर्गन फैल्योर का मामला बताया था. गौरतलब है कि रांची के पत्रकार नवल किशोर सिंह उनके बड़े भाई हैं. स्व.सौरभ के असामयिक निधन से विभिन्न दलों के राजनेता, पत्रकार, रिश्तेदार, परिजनों व शुभचिंतकों में शोक की लहर व्याप्त है. वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं. पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोधकांत सहाय ने बिहार के जाने-माने पत्रकार सुनील सौरभ के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने अपनी शोक संवेदना में कहा है कि पत्रकारिता जगत में स्व.सौरभ का उत्कृष्ट योगदान भुलाया नहीं जा सकता है. विगत चार दशकों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्होंने जो उपलब्धियां हासिल की, वह मील का पत्थर के रूप में स्थापित है. उनका निधन पत्रकारिता जगत और सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है. श्री सहाय ने दिवंगत की आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से कामना की. विदित हो कि स्व.सौरभ रांची के वरिष्ठ पत्रकार नवल किशोर सिंह के सगे छोटे भाई थे.

4 दशक लंबी रही है पत्रकारिता करियर

श्री सौरभ विगत चार दशक से बिहार के पटना और मगध प्रमंडल में पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे. उन्होंने हिंदुस्तान (हिन्दी दैनिक), राष्ट्रीय सहारा, चौथी दुनिया सहित कई समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में अपनी सेवाएं दी. बीमार होने से पूर्व तक वे संवाद पत्रिका का प्रकाशन कर रहे थे. उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखी है.पत्रकारिता और साहित्य जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए देश की कई नामी-गिरामी संस्थाओं द्वारा उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

बड़गाईं सीओ की रिपोर्ट : सेना के कब्जे वाली भूमि के पहले दावेदार प्रदीप बागची

विशेष संवाददाता, रांची।

बरियातू रोड स्थित सेना के कब्जे वाली जिस जमीन की खरीद-बिक्री की जांच ईडी कर रही है, उस पर प्रदीप बागची का पहला दावा बनता है. रांची के तत्कालीन डीसी छवि रंजन को 25-9-2021 को भेजी गयी जांच रिपोर्ट में बड़गाईं सीओ मनोज कुमार ने यह स्पष्ट रूप से लिखा है. बड़गाईं सीओ की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदीप बागची के पूर्वजों ने वर्ष 1932 में डीड संख्या 4369 के माध्यम से यह भूमि रैयत से खरीदी है. यहां यह जान लेना काफी महत्वपूर्ण है कि जिस डीड संख्या 4369 का जिक्र किया जा रहा है, वह कोलकाता रजिस्ट्री ऑफिस का है. प्रदीप बागची को बड़गाईं सीओ ने सेना के कब्जे वाली भूमि का पहला दावेदार तो बता दिया, लेकिन अपनी रिपोर्ट में उन्होंने यह नहीं लिखा है कि प्रदीप बागची के पूर्वजों ने किस रैयत से उक्त जमीन की खरीदारी की है. शायद यही वजह है कि जब प्रदीप बागची यह जमीन बेचने पहुंचे तो तत्कालीन रजिस्ट्रार घासीराम पिंगुआ ने निबंधित दस्तावेज (डीड) पर स्पष्ट रूप से यह लिख दिया कि उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी को संबोधित अंचल अधिकारी बड़गाईं के ज्ञापांक -847 (2) (25/9/2021) के अलोक में निबंधन किया गया। सेना के कब्जेवाली जिस भूमि को लेकर ईडी ने झारखंड समेत तीन राज्यों में छापेमारी की और जांच कर रही है, उसकी खरीद-बिक्री की पटकथा वर्ष 2020 के अंतिम महीनों में ही लिखी गई थी. पूरी बिसात बिछाकर तैयार हुई, तो एक ही दिन में 4 एकड़ 55 डिसमिल जमीन की बिक्री कर दी गयी. जमीन खरीदने वाले ने स्टांप ड्यूटी के रूप में कुल 83 लाख 3 हजार 368 रुपये खर्च किए . सरकार को इस रजिस्ट्री के लिए फीस के रूप में 62 लाख 34 हजार 460 रुपये दिए गए. यानि कुल करीब एक करोड़ पैंतालीस लाख रुपये से ज्यादा पैसे सिर्फ इस जमीन की रजिस्ट्री के लिए स्टांप और फीस के रूप में भुगतान किया गया. जगत बंधु टी एस्टेट ने ये रकम इसलिए चुकाई, क्योंकि इस बेशकीमती जमीन की सरकारी दर से निर्धारित कीमत करीब 4 लाख 55 हजार रुपये है।

ईद के मौके पर मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर दी ईद की बधाई

संवाददाता, रामगढ़।

जिला में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मस्जिदों में 22 अप्रैल की सुबह ईद की नमाज अदा की गई। मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों में पहुंचकर ईद की नमाज पढ़ी और एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई और शुभकामनाएं दी।

जिला में ईद के मौके पर मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाज पढ़ने के लिए नमाजी पहुंचे। ईद को देखते हुए मस्जिद और उसके आसपास के क्षेत्रों को भव्य रूप से सजाया गया है। मस्जिदों के आसपास ईद की नमाज अदा करने के बाद सेवई का वितरण किया गया। शहर के गोलपार जामा मस्जिद में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा किया। यहां रामगढ़ के युवा एसडीओ जावेद हुसैन ने भी नमाज अदा किया। उन्होंने ईद की नमाज पढ़ने के बाद एक दूसरे को ईद की बधाई और शुभकामनाएं दी। मस्जिद के बाहर रामगढ़ के एसडीपीओ किशोर कुमार रजक सहित अन्य लोगों ने एसडीओ को ईद की बधाई दी।

मस्जिद में बड़ी संख्या में नमाज अदा करते लोग। ● द फोटोन न्यूज

एक-दूसरे को ईद की बधाई देते लोग। ● द फोटोन न्यूज

इस मौके पर एसडीओ जावेद हुसैन कहा कि पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्ण ढंग से ईद की नमाज पढ़ी गई है। देश राज्य और क्षेत्र में अमन चैन शांति के लिए दुआएं मांगी गई है। अल्लाह ताला सभी की परेशानियों को दूर करें। वही ईद को देखते हुए जिला पुलिस प्रशासन ने मस्जिदों के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और दंडाधिकारियों की नियुक्ति की थी। मस्जिदों के आसपास पुलिसकर्मी सुबह से ही गस्ती करते दिखे। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा खुद रामगढ़ के एसडीओ और एसडीपीओ ले रहे थे।

वहीं शहर के नूरी मस्जिद कांकेबार में 8:30 बजे, इब्राहिम मस्जिद रामगढ़ बस स्टैंड में 9:00 बजे, जामा मस्जिद गोलपार में 9:00 बजे, जामा मस्जिद सौदागर मोहल्ला में 9:00 बजे, इकराम मस्जिद कर्बला 8:45 बजे, मदीना मस्जिद नईसराय 8:45 बजे, ईदगाह नईसराय 9:45 बजे और कुब्बा मस्जिद सर सैयद कॉलोनी 8:15 बजे नमाज पढ़ी गई।

शहर के सौदागर मोहल्ला स्थित जामा मस्जिद में नमाज अदा करने के उपरांत मस्जिद से बाहर आए नमाजियों के ऊपर फूल की बारिश की गई। वही जिला के चितरपुर, गोला, मांडू, पतरातू प्रखंड के मस्जिदों में भी सुबह के वक्त ही नमाज अदा की गई। ईद का त्यौहार को लेकर बच्चों बच्चियों युवाओं और बुजुर्गों में उत्साह का माहौल दिखा। लोग मस्जिदों में एक दूसरे को ईद की मुबारक देने के बाद घरों में जाकर ईद की मुबारक दी।

लोहरदगा में हर्षोल्लास के साथ मनायी गई ईद

ईद के मौके पर एक-दूसरे से गले मिलते लोग। ● द फोटोन न्यूज

संवाददाता, लोहरदगा।

जिले में ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुस्लिम धर्मावलंबी निर्धारित समय पर ईदगाह सहित अन्य मस्जिदों में पहुंचे और ईद की नमाज अदा की। नमाजियों ने देश-दुनिया की तरक्की एवं अमन-चैन की दुआएं मांगी।

शहरी क्षेत्र में पहली जमात की नमाज ईदगाह में 7:45 बजे अदा की गई। इमाम कारी मौलाना शमीम रिजवी द्वारा ईदगाह में नमाज अदा कराई गई। इसके पश्चात शहर के अन्य मस्जिदों में 8:15 बजे नमाज अदा की गई। आखिरी जमात की नमाज जामा मस्जिद एवं बेलाल मस्जिद में 8:45 बजे अदा की गई। जामा मस्जिद में हाफिज मुस्तकीम द्वारा नमाज अदा कराई गई। वहीं बेलाल मस्जिद में हाफिज हमीद द्वारा नमाज अदा कराई गई।

ईद की नमाज के मद्देनजर पुलिस प्रशासन चौकस रहा। विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती जिला पुलिस द्वारा कराई गई थी। ईदगाह में स्वयं एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह पहुंचे थे। ईद की नमाज के बाद अंजुमन इस्लामिया के ओहदेदारों से गला मिलकर ईद की बधाइयां दी। अन्य मस्जिदों में भी पुलिस अधिकारी पहुंचे थे, जहां नमाज के बाद अधिकारियों द्वारा गले मिलकर ईद की मुबारकबाद नमाजियों को दी गई।

भुरकुंडा कोयलांचल में अकीदत के साथ अदा की गई ईद-उल-फितर की नमाज

गले मिलकर दी गई बधाई, लजीज व्यंजनों का लिया आनंद, अमन-चैन की मांगी दुआएं

संवाददाता, भुरकुंडा (रामगढ़)।

भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को ईद पर्व पूरे धुमधाम से मनाया गया। पर्व को ले क्षेत्र के मस्जिद और ईदगाहों में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने अकिदत के साथ ईद की नमाज पढ़ी।

इस दौरान लोगो ने अल्लाह से अपने परिवार और क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली, सुख-समृद्धि व अमन-चैन की दुआएं भी मांगी। इसके बाद लोगो ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के बाद लोगो ने एक-दूसरे के घरों में जाकर लच्छेदार सेवईयां और एक से बढ़कर एक लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। कहा गया कि ईद आपसी भाईचारगी व प्रेम का संदेश देता है। ईद को ले बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। बडे तो बडे.लेकिन नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी एक-दूसरे के गले मिल पर्व की बधाई दी। कोयलांचल के भुरकुंडा जामा मस्जिद, रीवर साईड, सौन्दा डी, सेन्ट्रल सौन्दा, सीसीएल सौन्दा, भदानीनगर के महुआ टोला, चिकोर, लपंगा, सुदी, चैनगड्डा व बासल क्षेत्र के ईदगाहों सहित अन्य जगहों के मस्जिद और ईदगाहों में मौलाना और ईमाम द्वारा नमाज अदा करायी गयी। पर्व को लेकर भुरकुंडा, भदानीनगर व बासल पुलिस सुरक्षा व्यवस्था में दल बल के साथ मुस्तैदी से डटी थी। इधर सौंदा डी में ईद के पावन अवसर पर मुखिया उपेंद्र शर्मा व पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्लू पांडेय ने मौलाना साहब एवं सचिव मो. सरफराज को अंग वस्त्र भेंट कर पर्व की बधाई दी।

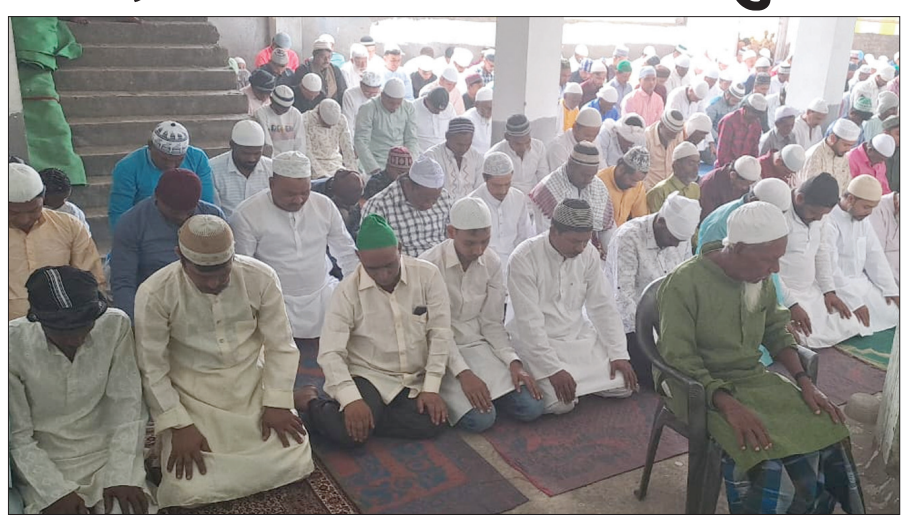
मस्जिद में ईद की नमाज अदा करते मुस्लिम धमार्वावलंबी। ● द फोटोन न्यूज

एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई देते बच्चे। ● द फोटोन न्यूज

हथियार के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता, चतरा।

चतरा जिले की पिपरवार थाना पुलिस ने हथियार के साथ तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने एक नाइन एमएम का पिस्टल, चार गोली, दो मोबाइल फोन और दो बाइक बरामद किया है।

एसडीपीओ टंडवा शंभू कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पतरातु से पिपरवार की ओर बाइक से बदमाश हथियार के साथ जा रहे हैं। सूचना के बाद टीम का गठन कर होसिर बस्ती जंगल के पास वाहनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो लोगों को रुकने का इशारा गया। पुलिस टीम को देखकर दोनों भागने लगे। इसके बाद टीम ने पीछा करके दोनों पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान दोनों की निशानदेही पर एक अन्य बदमाश को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बदमाशों के नाम अविनाश कुमार, रितिक कुमार और प्रेम कुमार सिंह है।

हथियार के साथ गिरफ्तार युवक व जानकारी देती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। तीनों चोरी और छिनतई केस में पहले भी जेल जा चुके हैं।

किसानों ने प्रशिक्षण लेकर शुरू की तरबूज की खेती, कमा रहे लाखों

संवाददाता, गिरिडीह।

गर्मी के इस मौसम में लाल-मीठे तरबूज लोगों के सिर्फ गले ही तर नहीं कर रहे हैं, अपितु किसान परिवार की किस्मत भी बदल रहे हैं। यहां गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखण्ड के किसान इन दिनों तरबूज की खेती कर लाखों कमा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत डुमरी प्रखण्ड के छछंदो, बेलाटाड़, अतकी, द्यावाटाड़ समेत कई पंचायतों के किसान तरबूज की खेती कर अच्छी खासी आमदनी कर रहे हैं। किसान चमेली देवी, मेघनी देवी, मोतीलाल हांसदा, राजकुमार हैब्रम सहित कई अन्य किसानों ने लगभग बीस एकड़ में इस वर्ष तरबूज की फसल लगाई थी। इन किसानों ने बैंक एवं संस्था जनजागरण द्वारा संचालित कार्यक्रम के तहत कृषक पाठशाला के माध्यम से प्रशिक्षण लेकर तरबूज, खीरा, टमाटर, हरी मिर्च की खेती करने का निर्णय लिया। मात्र 2 महीने के प्रयास के पश्चात सभी किसान अपने शुरूआती उत्पादन में 30 से 40 क्विंटल तरबूज की बिक्री कर 40,000 से 50,000 हजार रुपये कमाये हैं।

किसानों ने कहा कि 20 से 25 क्विंटल तरबूज अभी भी खेतों में लगभग तैयार है। कुछ दिनों में अच्छे दर पर बेचने की उम्मीद है। किसानों ने कहा कि इस वर्ष 10 से 12 रुपये प्रति किलोग्राम थोक में तरबूज व्यापारी को बेच रहे हैं।

जनजागरण संस्था के प्रमोद महतो ने कहा कि किसानों की आमदनी को देकर आसपास के भी किसान तरबूज की खेती को लेकर अत्यधिक उत्सुक हैं। उनका कहना है कि अगले वर्ष हमलोग भी प्रशिक्षण लेकर तरबूज, खीरा की खेती कर अपनी आमदनी बढ़ाएंगे।

रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज की आईआईसी ने विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस का किया आयोजन

छात्रों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने का मिला अवसर

संवाददाता, रजरप्पा।

रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) ने 21 अप्रैल, 2023 को विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था कि रचनात्मकता और नवाचार नए समाधानों के साथ हर बाधा को दूर करने में अहम भूमिका निभाता है।

नवाचार दिवस कार्यक्रम में उपस्थित छात्र व छात्राएं। ● द फोटोन न्यूज

कार्यक्रम में छात्रों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने का अवसर दिया गया, जिससे उन्हें अपनी रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने और नए विचारों के साथ आने के विभिन्न तरीकों के बारे में जानने का मौका मिला। प्रोफेसर अरुणाभ दत्ता, जिन्होंने कार्यक्रम के संयोजक के रूप में कार्य किया। विचार-मंथन सत्रों में भाग लिया, जिसमें नए विचारों को विकसित करने और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग किया गया। सह-संयोजक सप्तर्षि मुखर्जी डिजाइन थिंकिंग पर एक चर्चा का नेतृत्व करेंगे, जो समस्या-समाधान का एक तरीका है जो व्यक्तियों की आवश्यकताओं और दृष्टिकोणों को समझने पर जोर देता है। प्रोफेसर राजीव रंजन और डॉ. आशीष नारायण दोनों ने छात्रों के लिए बोलने की प्रतियोगिता की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के समापन पर, प्रोफेसर पिनाकी रंजन दास ने आभार व्यक्त करके अपना धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम को सुविधाजनक बनाने के लिए प्राचार्य डॉ. सरबानी रॉय और उप प्रधानाचार्य डॉ. नजमुल इस्लाम का आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक एक साथ रखने के लिए, शिक्षा मंत्रालय के तहत मानव संसाधन विकास मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा प्रदान किए गए दिशा निर्देशों का पालन आवश्यक था। यह कार्यक्रम का निष्कर्ष था। यह जानकारी पल्लब दास मीडिया प्रभारी रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज ने दी।

ब्रीफ न्यूज

देवघर में चौकीदार की गोली मारकर हत्या

देवघर : देवघर के जसीडीह थाना क्षेत्र में डढ़वा नदी के बालू घाट पर एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान 52 वर्षीय चौकीदार सिंघेश्वर मिर्धा के रूप में की गई है। मृतक के सिर पर गोली लगी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह जसीडीह थाना क्षेत्र में डढ़वा नदी के बालू घाट से एक व्यक्ति का शव मिला। शव की हालत को देखने से लगता है कि उसकी हत्या की गई है। आसपास सूखा खून पड़ा था तथा उसके सिर में गोली लगी है। सुबह लोग शौच करने आए तो शव को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त की। इससे उसकी पहचान जसीडीह थाना में कार्यरत चौकीदार सिंघेश्वर मिर्धा के रूप में हुई। मिर्धा को बालू घाट से अवैध बालू उठाव की रोकथाम के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। पुलिस ने घटनास्थल के पास से एक खोखा बरामद किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मारवाड़ी युवा मंच ने 11 स्थानों पर किया अमृतधारा का शुभारंभ

खूंटी : सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाली नगर की प्रसिद्ध संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की खूंटी नगर शाखा ने शनिवार को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए खूंटी में 11 स्थानों पर शुद्ध पेयजल की अस्थाई अमृतधारा (प्याऊ) का शुभारंभ किया है। अमृतधारा का उद्घाटन खूंटी नगर पंचायत के अध्यक्ष अर्जुन पहान, वरिष्ठ समाजसेवी महावीर जी जैन और अरुण पीपुरिया ने फीता काट के किया। नगर पंचायत अध्यक्ष अर्जुन पहान ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच के कार्यकर्ता सामाजिक दायित्व को बखूबी निभाते आ रहे हैं। भीषण गर्मी में राहगीरों को पेयजल उपलब्ध कराना बड़ी बात है। उसी को ध्यान में रख मंच हर साल की तरह इस वर्ष भी अमृतधारा के नाम से प्याऊ का शुभारंभ किया है। यह काफी सराहनीय है।

अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाया

खूंटी : अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के अवसर पर शनिवार को चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सीनी) द्वारा मुरहू प्रखंड के जोबे और बुरजू गांव में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को पृथ्वी दिवस के महत्व, ग्रीन हाउस प्रभाव, ग्लोबल वार्मिंग के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाया गया। संस्था के कुमार सौरभ ने बताया कि हमारी पृथ्वी के संरक्षण के लिए हर साल यह दिवस 22 अप्रैल को मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एकजुट होकर पर्यावरण संरक्षण के लिए योगदान देने के लिए लोगों को प्रेरित करना है, ताकि इस ग्रह को नुकसान पहुंचाने वाली मानव की गतिविधियों को कम किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने नारा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ग्रामीणों ने अपने पंजा का छाप देकर पृथ्वी को स्वच्छ, हरा भरा और रहने योग्य बनाने, पर्यावरण संरक्षण करने और मानसून की शुरूआत में पौधरोपण का संकल्प लिया।

खूंटी : पंचमुखी हनुमान मंदिर का मनाया गया प्रथम स्थापना दिवस

खूंटी : उग्रवाद प्रभावित रनिया थाना क्षेत्र का कोटांगेर गांव, जहां पांच-सात वर्ष पहले तक नक्सलियों की गोली की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहलता था। पहाड़ों और हरे भरे जगलों के बीच इसी कोटांगेर गांव में आज वेद मंत्रोच्चार और घंट-शंख की ध्वनि और अखंड हरिकीर्तन की गूंज सुनकर एक सुखद अनुभूति होती है। इसी गांव में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस मनाया गया है। स्थापना दिवस कार्यक्रम शुक्रवार को कलश यात्रा और कई धार्मिक अनुष्ठान के साथ शुरू हुआ था, जिसका समापन शनिवार को हवन, महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ हो गया। 24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन में 16 कीर्तन मंडलियों ने अपने न्त्य-संगीत के साथ हरिभजन कर लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। हालांकि शुक्रवार शाम से शुरू हुआ भंडारे का समापन रविवार सुबह होगा। इस बीच शनिवार रात को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

रामगढ़ भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

रामगढ़ : भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा सामाजिक समरसता कार्यक्रम के तहत रामगढ़ सदर हॉस्पिटल ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा तय किया गया रक्तदान शिविर कार्यक्रम पूरे देश भर में किया जा रहा है इसी कार्यक्रम के निमित्त रामगढ़ में भी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार राम के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे कांके के पूर्व विधायक और मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ जीतू चरण राम, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रंजन पासवान जी, युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश ठाकुर जी, मीडिया प्रभारी सूरज पासवान, गोला के मंडल अध्यक्ष राम कुमार नायक आरा मंडल अध्यक्ष तेजू रविदास, सुरेंद्र रविदास इस रक्तदान कार्यक्रम में जिले के सभी क्षेत्र से आकर लोगों ने रक्तदान किया रामगढ़ कैंट मंडल से देव कुमार, मांडू से सावित्री देवी जी, गोला से राजेश कुमार महतो, बाल गोविंद महतो, त्रिपुरारी महतो एवं अन्य लोगों ने रक्तदान किया।

सकरी नदी से युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

कोडरमा : जिले के सतगावां थाना क्षेत्र के सकरी नदी स्थित माधोपुर पुल से 500 मीटर दूर नदी में बालू से ढका युवक का शव शनिवार को बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त माधोपुर ग्राम निवासी मनोज शर्मा (35) के रूप में की गई है। बताया जाता है कि मनोज शर्मा की बासोडीह बाजार में सैलून की दुकान है। बीती रात सैलून बन्द करके घर के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। सतगावां थाना प्रभारी आनंद कुमार साह ने घटनास्थल का जायजा लिया, जहां से दो गमछा बरामद हुआ है। पुलिस को आशंका है कि मनोज की हत्या की गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

मेदिनीनगर : जिले के नावा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बसना गांव में एक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता शनिवार सुबह को लगा। परिवार वालों ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। मृतक का नाम अक्षय कुमार (22) है। थाना प्रभारी दीपक कुमार दास ने बताया कि घटना कैसे घटी है अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। छात्र पिछले साल इंटर में फेल होने से तनाव में रहता था। घर एवं गांव वालों की तरफ से घटना के पीछे कोई कारण नहीं बताया गया है।

शिक्षिका ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

खूंटी : तोरपा थाना क्षेत्र के हिल चौक में निजी स्कूल की शिक्षिका ने शनिवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तोरपा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार उकड़ीमाड़ी पंचायत के ईचा बड़का टोली निवासी रोयन रंजन आईंद की 28 वर्षीय पुत्री सुमन आईंद गिरिडीह में दिल्ली पब्लिक स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्यरत थी। वह वर्तमान में हिल चौक में एक किराए के मकान में रह रही थी। शनिवार को उसी घर में दुपट्टे से छत पर लगे पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। सुमन आत्महत्या से पूर्व एक सुसाइड नोट लिखकर छोड़ गई है। नोट में उसने मानसिक रूप से परेशान रहने का जिक्र किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत लम्बित वादों को निष्तारण का है एक सशक्त माध्यम : जिला जज

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश सम्पूर्णानन्द तिवारी ने 13 मई 2023 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव प्रणव शंकर के साथ एक समीक्षा बैठक किया। उक्त समीक्षा बैठक में जिला जज ने राष्ट्रीय लोक अदालत के तैयारियों को लेकर अबतक की प्रगति पर समीक्षा किया तथा विभिन्न निर्देश दिये। जिला जज ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत को जन मानस तक पहुचाने में जिले के विभिन्न समाचार पत्रो, प्रिट मिडिया, इलेक्ट्रानिक मिडिया का महत्वपूर्ण योगदान होता है और अबतक उनलोगो के द्वारा सहयोग मिलने के कारण शहर के साथ-साथ दूर दराज के लोगो तक राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व को समझा गया है आगे भी उनके द्वारा मीडिया के लोगो से प्रेस विज्ञपित जारी करते हुए कहा गया है कि संविधान के चतुर्थ स्तम्भ है और बिना उनके सहयोग के कोई भी कार्यक्रम का पूर्ण लाभ जन मानस तक नहीं पहुॅच सकता है। जन मानस के हित को देखते हुए मीडिया इस राष्ट्रीय लोक अदालत को प्रमुखता से प्रकाशित कर अधिक से अधिक लोगो तक इसकी जानकारी सुलभ करायें। जिला जज ने सभी न्यायिक पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने- अपने न्यायालयों से सम्बन्धित सुलहनीय वादों के निस्तारण हेतु युद्धस्तर पर कार्यवाई करें ताकि सभी पक्षकारो तक नोटिस एवं कान्सेलिंग की प्रक्रिया समयानुसार सम्पन्न हो सके। उनके द्वारा निर्देश दिया गया है कि सभी न्यायालय यथाशिघ्र सुलहनीय वादों की सूची को प्राधिकार के कार्यालय को उपलब्ध करायें

ताकि प्राधिकार भी अपने स्तर से कार्रवाई कर सके। जिला जज ने सभी न्यायिक व्यवस्था स जुड़े कर्मियों को निर्देश दिया है कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु कोई भी कार्य बिना देर किये निष्पादन में सहयोग करें ताकि पक्षकारो को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व तथा त्वरित न्याय के प्रति विश्वास जगे। जिला जज के द्वारा दोनों विधि संघ के अधिवक्ताओं से अपील किया गया है कि वे कोई भी वाद को बिना उनके सहयोग के निस्तारित कराना संभव नहीं होता है तथा पक्षकार के वे सबसे करीब है और उनकी बात पक्षकार मानते हैं, जिसमें पक्षकार के साथ-साथ न्यायालय का सहयोग करते हुए अपनी महती भूमिका को निभाने में महत्वपूर्ण सहयोग दें और आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को निष्पादन के मामले में राज्य स्तर पर स्थापित करने में जिला विधिक सेवा प्राधिकार का सहयोग करें। साथ ही जिला जज ने विश्वास जताया है कि अगर सभी स्टेकहोल्डर का सहयोग यूं ही मिलता रहा तो इस बार का राष्ट्रीय लोक अदालत भी अपने निष्पादन के मामले में रिकार्ड स्थापित करेगा।

एक ही परिवार के 6 लोग घायल

समस्तीपुर में शुक्रवार रात एक घर में अचानक गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 6 लोग झुलस गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तत्काल उजियारपुर पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से सभी को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे जिले के उजियारपुर थाना के रायपुर में प्रखंड मुख्यालय के समीप वार्ड 11 में हुआ। घायलों में महेश्वर सहनी के पुत्र सचिन कुमार(7), संजय सहनी (50) उसकी बेटी नीतू कुमारी (10) पुत्र विरेंद्र सहनी (15), व पत्नी संजू देवी (35),सिकंदर कुमार (28) शामिल है। घटना के संबंध में बताया गया है कि शुक्रवार रात संजू देवी घर में खाना बना रही थी। खाना बनाने के दौरान कुकिंग गैस से भड़की आग ने घर को अपने जद में ले लिया।

आयुष चिकित्सकों की जल्द नियुक्ति करे स्वास्थ्य विभाग : डॉ. मधुरेंदु पांडेय

पटना। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मधुरेन्दु पाण्डेय ने स्वास्थ्य विभाग से 3270 आयुष चिकित्सकों की जल्द से जल्द नियमित नियुक्ति करने की मांग की है। शुक्रवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि इन चिकित्सकों की नियुक्ति की प्रक्रिया पिछले दो साल से लटकी हुई है। इस सम्बन्ध में हाल ही में पटना उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने भी अपना निर्णय दे दिया है। नई नियुक्ति को लेकर राज्य के हजारों आयुष चिकित्सक उम्मीद लगाए हुए हैं। डॉ पांडेय ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय के आलोक में 3021 संविदागत आयुष चिकित्सको को 65 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय का भुगतान भी नही किया जा रहा है। इससे इन चिकित्सको का मनोबल टूट रहा है। राज्य सरकार और आलाधिकारी इस स्थिति की गंभीरता को समझें और त्वरित कार्रवाई करें। राज्य के अधिकांश गरीब मरीज आयुष चिकित्सा के माध्यम से ही इलाज कराते हैं। आयुष चिकित्सकों की कमी के कारण वे इलाज की सुविधा से भी वंचित हो रहे हैं। राज्य सरकार आयुष चिकित्सकों व आयुष चिकित्सा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार लाये।

श्राद्धकर्म पर कमलेश्वर प्रसाद दुबे को दी गई श्रधांजलि

सासाराम। बिहार राज्य सट्टादार (लम्बरदार) कर्मचारी संघ सिचाई विभाग के जिलामंत्री अधिवक्ता शुशील कुमार दुबे के चाचा एवं नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के सदस्य कमलेश्वर प्रसाद दुबे के श्राद्धकर्म पर उनके पैतृक ग्राम अगिनि में श्रधांजलि सभा का आयोजन किया गया जहाँ लोगों ने स्व.दुबे के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रधांजलि देते हुए उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को याद किया।वक्ताओं ने कहा की स्व. दुबे एक समाजसेवी थे उनका निधन क्षेत्र के लोगों के लिए अपूर्णीय क्षति है।मौके पर संगठन के राष्ट्रीय महासचिव रामायण पांडेय एलौन,ललन दुबे,देववंश चौबे,कोमल तिवारी,विमल पांडेय,राजू दुबे,कुशुम देवी,अन्नप्रवासों कुँवर,मंजू देवी,विमला देवी,प्रभावती देवी सरिता देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

जाप नेता के घर 20 लाख की डकैती चाकू रॉड से हमला

मोतिहारी में शुक्रवार रात जाप नेता अभिजीत सिंह के घर 20 लाख की डकैती हुई है। अभिजीत और उनके बेटे के साथ चाकू और रॉड से हमला भी किया गया है। 15 बदमाशों ने परिवार को बाथरूम में बंधक बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया है। अभिजीत सिंह ने बताया कि पुलिस के सामने वो लोग बम बरसाते हुए भाग निकले। पुलिस चाहती तो उन्हें पकड़ सकती थी। मामला घोड़ासहन थाना क्षेत्र के श्रीपुर कौवाहा गांव का है। दरअसल, बीती रात 15 हथियार बंद डकैतों ने मोतिहारी सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक के उपाध्यक्ष अरुण सिंह के घर से कैश समेत करीब 20 लाख की संपत्ति लूट ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो बम विस्फोट कर सभी डकैत वहां से फरार हो गए। डकैतों ने कॉपरेटिव बैंक के उपाध्यक्ष अरुण सिंह के बेटे और जाप नेता अभिजीत सिंह के साथ मारपीट भी की। जाप नेता अभिजीत सिंह ने बताया कि बीती रात 15 डकैतों ने गैस कटर से मेन डोर को काट कर घर में प्रवेश किया। इस दौरान 10 डकैत घर में घुसे और बाकी बाहर थे। हथियारबंद डकैतों ने घर के सभी सदस्यों को बाथरुम में बंद कर दिया और मेरे साथ मारपीट करने लगे। यह सिलसिला करीब दो घंटे तक चला। वहीं, डकैतों ने घर में रखे 7 लाख नगद और

जेवरात लूट लिया। नगद समेत लगभग 20 लाख की संपत्ति लूट ले गया। लूट के बाद डकैतों ने फायरिंग और बमबारी भी की। डकैतों ने घर में घुसने में साथ ही पहले अभिजीत सिंह के साथ मारपीट शुरू कर दिया। वहीं हर कमरे की बारी-बारी से तलाशी ली और लैपटॉप और हार्ड डिस्क भी लेकर चलते बने। ओसिकरहना एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि श्रीपुर गाओव में डकैती की सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचा। तो डकैत बम विस्फोट करते हुए भाग खड़े हुए। डकैतों का पीछा किया गया, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर डकैत फरार हो गए। घटना की जांच की जा रही। जल्द ही मामले का खुलासा करेंगे।

पाँच लोगों की मृत्यु की खबर सुनकर ग्रामीणों से मुलाकात कर शोक संवेदना की व्यक्त

औरंगाबाद। औरंगाबाद सांसद सुशील कुमार सिंह सदर प्रखंड के हेतमपुर गाँव में विनय भुइँया, प्रमोद भुइँया,देवन भुइँया के घर आग लग जाने के कारण परिवार के पाँच लोगों की मृत्यु होने की खबर सुनकर गाँव पहुँचे और परिवार एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त किया और मृत परिवार के सदस्यों को सांत्वना एवं ढांढस बंधाया सांसद ने कहा कि यह घटना बहुत ही दुःखद और मन को झकझोर देने वाली घटना है।पीड़ित परिवार को हर संभव मदद किया जाएगा। उपस्थित ग्रामीणों ने सांसद को अपनी समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि इस गाँव में पानी की समस्या है दो सरकारी चापाकल है।लेकिन चालू हालत में नही है बहुत दिनों से बंद है।प्रमोद भुइँया और बिनय

भुइँया को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नही मिला है।एवं देवन भुइँया और प्रमोद भुइँया को मुआवजा की राशि नही मिला है सांसद ने संबंधित अधिकारी से तुरंत फोन पर बात करके मुआवजा की राशि उपलब्ध कराने और जिनका घर मे आग लगा है उनको प्रधानमंत्री आवास जल्द से जल्द बनवाने एवं खराब चापाकल को जल्द से जल्द चालु करवाने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया।सांसद ने ग्रामीणों से कहा कि गाँव की जो मुख्य समस्या है मैं उसे जल्द पूरा करूँगा।इस मौके पर देव के पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक,भाजपा के जिला महामंत्री मुकेश सिंह,जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह,वार्ड सदस्य बलेन्द्र पासवान,डोमन पासवान,राजू कुमार एवं ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

पीएम मोदी का सपना हर गरीब का घर हो अपना : नंदकिशोर

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं, जिससे लोग समृद्ध हो रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत शीघ्र ही गरीबी से मुक्त हो जाएगा। श्री यादव ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आम लोगों को हर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो रहीं हैं। रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध करना सरकार की प्राथमिकता है। आवास उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार बेहतर कार्य हो रहा है। श्री यादव ने कहा कि भारत में वित्तीय वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 5.28 मिलियन घरों का निर्माण किया गया ,जो एक साल पहले की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। श्री यादव ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 5.73 मिलियन घरों का निर्माण करने का प्रस्ताव रखा है, जो वित्तीय वर्ष 2024 तक 'हाउसिंग फॉर ऑल' सुनिश्चित करने की योजना के तहत 29.5 मिलियन घरों के निर्माण के समग्र लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होगा।

समस्तीपुर में सड़क हादसा, तीन घायल

समस्तीपुर में शुक्रवार रात सड़क हादसा हो गए। जहां ट्रक और ट्रैक्टर के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन रेल कर्मी घायल हो गए। तीनों समस्तीपुर से जनकपुर जा रहे थे। हादसा जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव के पास हुआ। घायलों में

समस्तीपुर रेल मंडल के इंजीनियरिंग विभाग के ट्रैक मैन उदय चंद्र महतो के अलावा दीपक कुमार और गंगा प्रसाद शामिल हैं। बताया गया कि रेलवे मंडल के जनकपुर में रेलवे अधिकारियों के कार्यक्रम को लेकर तीनों को जनकपुर जाने को कहा गया था। तीनों ट्रैक का सामान आदि लेकर शुक्रवार रात जनकपुर के लिए निकले थे। इसी दौरान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव के पास दरभंगा की ओर से आ रही ट्रैक्टर से इनके ट्रक की ठोकर हो गई। जिससे ट्रक असंतुलित होकर पास के गड्ढे में पलट गयी। इस घटना में तीनों रेलकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गये। बाद में सभी रेलवे कर्मियों को रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पर ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के मंडल मंत्री केके मिश्रा के अलावा मुख्यालय अध्यक्ष मनोज कुमार आदि मौके पर पहुंचकर रेलवे कर्मियों के बेहतर उपचार की बात कही।

शंख और मूर्ख दूसरों के फूकने से बजते हैं

औरंगाबाद। नवीनगर प्रखंड स्थित ग्राम बेलाई में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन का कार्यक्रम का उद्घाटन दीप जलाकर नगर परिषद औरंगाबाद के नगर अध्यक्ष उदय गुप्ता रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह एवं गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के प्रबंध निदेशक त्रिविक्रम नारायण सिंह अशोक कुमार जदयू के वरीय नेता संजीव कुमार सिंह शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी अशोक पांडेय ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।मुख्य अतिथि ने संबोधन के क्रम में कहां के श्रीमद्भागवत एक ऐसा ग्रंथ है जिनके अनुसरण मात्र से ही मानव जीवन धन्य हो जाता है।योगेश्वर कृष्ण विश्व मानवता के कल्याण के लिए इसे

महत्वपूर्ण बताते हैं। व्यास गद्दी पर आसीन डॉक्टर प्रभाकर त्रिपाठी ने कहा कि हमें जीवन मूल्यों को हमेशा वरीयता देते हुए कल्याण के लिए सतत प्रयास करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉक्टर सुरेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने किया।आज के कार्यक्रम में मुरलीधर पांडेय सिंहेश सिंह उज्जवल रंजन चंदन पाठक की गरिमामई उपस्थिति रही।

अक्षय तृतीया को हुई थी विष्णु धाम की स्थापना

औरंगाबाद। सदर प्रखंड ग्राम जम्होर के पुनपुन बटाने के संगम तट पर अवस्थित प्रकृति का अद्भुत स्थल विष्णु धाम की स्थापना अक्षय तृतीया को हुई थी। सामयिक साहित्य संवाद के प्रांतीय संयोजक सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि महान संत परमहंस सन्यासी खाकी बाबा ने इस धाम की स्थापना सैकड़ों वर्ष पूर्व कराई थी। खाकी बाबा जब इस स्थल पर पहुंचे तो उन्हें भगवान विष्णु का साक्षात्कार हुआ और वे बर्षो तक यहां पर तपस्या किए तपस्वी की भांति जीवन व्यतीत किए तत्पश्चात उन्होंने भगवान विष्णु की आदम कद अद्भुत मनोहारी एवं हृदय में भक्ति की अविरल धारा बहाने वाली प्रतिमा का स्थापना कराकर सनातनी परंपरा को जीवंत करते हुए विशिष्ट कार्य को संपादन किया। प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया के मौके पर विष्णु धाम में

विशेष पूजा पाठ होती है और आटा एवं गुड़ से बने हुए पुआ का प्रसाद बाटा जाता है। विष्णु धाम परिसर वर्तमान परिवेश में प्राकृतिक सुषमा से आच्छादित दो पवित्र नदियों के संगम तट पर अवस्थित है।मोक्षदायिनी पुण्य सलिला पुनपुन को आदि गंगा माना जाता है इसका अवतरण"गंगा से पूर्व हुआ था। इस नदी में प्रथम संगम के रूप में बटाने नदी का समावेश हुआ है। जब दो पवित्र नदियों का संगम होता है तो उस स्थान पर सूक्ष्म रूप से भगवान विष्णु का वास हो जाता है।सदियों सदियों से यहां भगवान विष्णु अपने सूक्ष्म स्वरूप में उपस्थित रहते हैं। जब खाकी बाबा का अवतरण हुआ और उन्होंने इस स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज की तो उन्हें आभास हुआ और उन्होंने अनादि ब्रह्म परमपिता परमेश्वर भगवान विष्णु की स्थापना की साथ में अन्य देवी-देवताओं की भी अति दुर्लभ प्रतिमाएं स्थापित हैं। इस परिसर में लंका से लाया गया अशोक का दुर्लभ वृक्ष है ।शंकर भगवान अपने परिवार के साथ इस स्थल पर हमेशा विराजमान रहते हैं हनुमान जी की प्रतिमा मनोहारी है तो सूर्य भगवान की भी दुर्लभ प्रतिमा विराजमान हैं काली माता इस स्थल की शक्ति स्वरूपा हैं तो बद्री नारायण की मूर्ति भी श्रद्धालुओं को बरबस आकर्षित करती हैं विष्णु धाम परिसर के बीचो बीच श्वेत बांध रामेश्वरम का पत्थर है तो परिसर के समीप ही पुनपुन माता की भव्य प्रतिमा भी स्थापित है त्रि संकट निवारण वृक्ष के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं की उपस्थिति है तो वही देव भाषा संस्कृत पढ़ने के लिए सुव्यवस्थित संस्कृत विद्यालय भी है ब्रह्मदंडी स्वामी जी का यज्ञशाला साक्षी है जो बताती है कि यज्ञ हमारे संस्कृति के धरोहर हैं ऋषि मुनियों के तपस्थली के रूप मैं भी इस स्थल का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

झारखंड से जमुई आए 5 युवक को बंधक बनाकर पीटा

जमुई में बहन के ससुराल जा रहे भाई समेत 5 युवकों को ग्रामीणों ने बंधक बनाकर पीटा। मामला शुक्रवार रात का है। बताया गया कि पांच युवक बोकारा से अपनी मां को लेने बहन के ससुराल जायलो कार से आए थे। रास्ते में उनकी कार सब्जी मंडी के पास बसफोड मोहल्ले में मवेशी से टकरा गई। आक्रोशित मवेशी के मालिकों ने युवकों को खदेड़ा और बंधक बनाकर जमकर पीटा। साथ ही गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान तीन युवकों ने भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान झारखंड के बोकारो जिला अंतर्गत बेरमो फुसरो निवासी पवन कुमार और रोहित कुमार के रूप में की गई है। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। दोनों की हालत गंभीर बताई। बताया जाता है कि पवन कुमार की बहन की शादी जमुई के टाउन थाना अंतर्गत शाहपुर गांव में हुई थी। कुछ माह से उसकी मां पार्वती देवी अपनी बेटी के घर थी। उसे लेने के लिए शुक्रवार को पवन अपने चार दोस्त, रोहित सहित अन्य के साथ जमुई पहुंचा था। शुक्रवार की देर शाम कार में सवार पांचों दोस्त जैसे ही टाउन थाना स्थित बसफोड मोहल्ले के पास पहुंचे तभी उनकी गाड़ी के सामने अचानक एक सुअर आ गया और वह बुरी तरह से घायल हो गया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने जायलो कार चालक को पकड़ना चाहा और भागने के दौरान पांच लोगों को टक्कर मार दी। इसमें मो. आरिफ सहित पांच लोग मामूली रूप से घायल हो गए। घटना के बाद तीन युवकों ने भागकर जान बचाई। इधर, घटना की जानकारी के बाद टाउन थाने की पुलिस मौके पर पहुंचा और बंधक बने दो युवकों को छुड़ाकर उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

अभिषेक प्रियदर्शी के आकस्मिक निधन पर लोगों ने अपनी संवेदना प्रकट की

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिला के सामाजिक कार्यकर्ता एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी आदित्य श्रीवास्तव के बड़े भाई अभिषेक प्रियदर्शी के आकस्मिक निधन पर जिले के कई प्रबुद्ध लोगों ने अपनी संवेदना उनके परिवार के प्रति एवं मृतक के प्रति प्रकट की औरंगाबाद के सांसद सुशील कुमार सिंह ने अपनी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में हम सभी आदित्य श्रीवास्तव के परिवार के साथ खड़े हैं मृतक आत्मा को ईश्वर शांति प्रदान करें, जमुहार नारायण अस्पताल के निर्देशक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने भी अपनी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि ऐसे दुख की घड़ी में हम सभी आदित्य श्रीवास्तव के परिवार के साथ खड़े हैं एवं परिवार को भगवान इस दुख की घड़ी में सहन शक्ति दे एवं मृतकों आत्मा की शांति प्रदान करें। रेड क्रॉस के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह, नगर परिषद के अध्यक्ष उदय गुप्ता, राजद के प्रदेश महासचिव इंजीनियर सुबोध कुमार सिंह, विधि संघ के अध्यक्ष रसिक बिहारी, भाजपा जिला अध्यक्ष मुकेश शर्मा, भाजपा जिला महामंत्री मुकेश कुमार सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष अनीता सिंह, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक बासु जिले के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ रवि रंजन, डॉ ऋत्विक सिंह, राष्ट्रीय संघ सेवक संघ के नगर करवा बजरंगी प्रसाद, समाजसेवी अजीत चंद्रा, शिक्षक संघ के नेता अशोक पांडे, भाजपा पूर्व जिला प्रवक्ता रामानुज पांडे, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल सिंह, विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश गौ रक्षक प्रमुख जयनंदन पांडे, राष्ट्रीय संघ सेवक संघ के पूर्व जिला संचालक शिवनंदन पांडे, सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य श्री शिव नारायण सिंह, जदयू के वरिष्ठ नेता दीपक सिंह, विहिप के नगर मंत्री

सर्वजीत सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता महिला थाना के प्रभारी मंटू कुमार सिंह, अधिवक्ता देवकांत कुमार, भाजपा प्रवक्ता दीपक सिंह, भाजपा जिला मंत्री जितेंद्र गुप्ता, समाजसेवी नवीन सिन्हा, विहिप के नेता रंजीत कुमार, पूर्व वार्ड पार्षद धीरज अजनबी, नेशनल एंटी करप्शन के जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह, प्रभात खबर के ब्यूरो चीफ सुजीत कुमार सिंह, सुधीर सिन्हा, शुभम पांडे, मनीषा सिंघम, समाजसेवी राहुल गुप्ता, भाजपा नेता आशुतोष सिंह मोनू, भाजपा पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष चंदन कुमार सिंह, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेता सतीश सिंह मोनू, सौरभ सिंह, विकास सिंह, सुनील सिंह, रवि कुमार, अन्य कई लोगों ने मृतक अभिषेक प्रियदर्शी के तैल चित्र के ऊपर पुष्प अर्पित करते हुए अपनी संवेदना प्रकट करते हुए सभी ने मृतक आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कई बुद्धिजीवी लोगों ने सोशल मीडिया एवं फोन के माध्यम से भी इस दुख की घड़ी में आदित्य श्रीवास्तव को ढाढस दी एवं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। आदित्य श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे बुरे वक्त के दुख की घड़ी में जो भी लोग मेरे से साथ खड़े हुए इसे कभी नहीं भुलाया जा सकता इसका में हमेशा कृतज्ञ रहूंगा।

दम है तो यूपी में नारे लगाकर दिखाएं गिरिराज

पटना में शुक्रवार को जुमातुल विदा की नमाज के बाद अतीक के समर्थन में नारे लगे। पटना जंक्शन के पास मस्जिद में नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अतीक अहमद अमर रहे के नारे लगाए। योगी-मोदी के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। इस पर बिहार में सियासत गरम है। बीजेपी नीतीश सरकार को घेर रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नारेबाजी के वीडियो के साथ ट्वीट किया- बिहार में तो ह्अतीक जीह्व वालों की सरकार है। है अगर हिम्मत तो अतीक के समर्थन में उत्तर प्रदेश में नारा लगाकर दिखाएं। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद की बधाई दी

ट्विटर पर बाजार

सत्ता वर्ग में सबसे प्रभावी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर ने अंततः मुफ्त ब्लू टिक निशान को इतिहास बना ही दिया। अभी तक लोगों के आधिकारिक हैंडल या पहचान के साथ एक ब्लू टिक का निशान बना दिखता था, इससे फौरन यह अंदाजा हो जाता था कि यह शख्स या संस्था सत्यापित है। ब्लू टिक का यह निशान आमतौर पर सत्यापन की एक प्रक्रिया से गुजरने के बाद हासिल हो जाता था, पर अब इसके लिए पैसे चुकाने पड़ रहे हैं। वैसे तो एक अप्रैल से ही मुफ्त ब्लू टिक खतरे में था और उस पर 20 अप्रैल को गाज गिरी है। महानायक अमिताभ बच्चन से लेकर भारत रत्न सचिन तेंदुलकर तक अनगिन भारतीय हस्तियों से सत्यापन निशान छिन गया है। ब्लू टिक का मोह भी ऐसा कि अमिताभ बच्चन भी पैसे देने के बाद ब्लू टिक के लिए ट्विटर पर गुहार लगाते देखे गए। दरअसल, जिन लोगों ने 20 अप्रैल से पहले तक ब्लू टिक के लिए यथोचित भुगतान कर दिया था, उनके पास ब्लू टिक बचा हुआ है, लेकिन जो लोग मुफ्त की उम्मीद में टिके हुए थे, उन्हें झटका लगा है। इस माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के मालिक एलन मस्क ने शुरू में ही एलान कर दिया था कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलेगा। यह बात सही है कि दुनिया की बड़ी-बड़ी हस्तियों और कंपनियों ने मुफ्त में ही इस मंच का भरपूर इस्तेमाल किया है और इससे उनकी ख्याति व संपदा में भी वृद्धि हुई है। ऐसे में, ट्विटर का यह कदम व्यावसायिक नजरिये से गलत नहीं है, पर क्या नैतिकता का यही तकाजा है कि जो पैसे का भुगतान करे, उसे ही सत्यापित माना जाए? सत्यापन की अगर बिक्री हो सकती है, तो फर्जी या धोखेबाज भी तो पैसे से सत्यापन या उससे जुड़ा सम्मान हासिल कर सकते हैं? अब पैसा ही अधिकारिता तय करेगा? अगर ब्लू टिक धारी कोई व्यक्ति इस मंच के जरिये किसी अपराध को अंजाम देता है, तो क्या ठीकरा ट्विटर के माथे भी नहीं फूटना चाहिए? अब ट्विटर के लिए यह एक बड़ी चुनौती होगी कि वह फर्जी लोगों को ब्लू टिक न बेचे और शख्स या संस्था के सही या आधिकारिक होने की पुख्ता जांच कर ले। अब बात ब्लू टिक के लिए भुगतान की, कंप्यूटर या वेब पर ट्विटर का इस्तेमाल करने वालों को हर महीने 650 रुपये और मोबाइल पर इस्तेमाल के लिए 900 रुपये मासिक चुकाने पड़ेंगे। वास्तव में, यह राशि भारत के हिसाब से ज्यादा है। अमेरिका में इस ब्लू टिक के लिए आठ डॉलर चुकाने पड़ रहे हैं, मतलब अमेरिका और भारत के लिए भुगतान लगभग समान है। मस्क शायद भूल गए हैं कि भारत के लोग अमेरिकियों जितने अमीर नहीं हैं। अमेरिका में जिस ब्रेड की कीमत 207 रुपये है, वह भारत में 50 रुपये में उपलब्ध है। भारत जैसे विकासशील देश में ब्लू टिक की मासिक कीमत 200 रुपये से ज्यादा होनी नहीं चाहिए। हर जगह बाजार को कैसे रोका जाए, पर कंपनियों को सामान्य तर्क बुद्धि से तो काम लेना चाहिए। लोगों को सोशल मीडिया की लत लगाने के बाद शुल्क वसूली की यह तो शुरूआत है। खुद मस्क अभी ब्लू टिक के लिए ज्यादा वसूलने की तैयारी में हैं, मतलब, आने वाले दौर में आम लोगों के बजाय पैसे वाले मजबूत होते जाएंगे, क्योंकि पैसे से ही सोशल मंच पर ज्यादा हक हासिल होंगे।

भाषायी बाधा

बहुभाषिक देश होने की वजह से हमारे यहां प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा का संवैधानिक प्रावधान है। यह अच्छा भी है, क्योंकि बच्चा अपनी मातृभाषा में ही सही ढंग से रचनात्मक सोच विकसित कर पाता है। मगर शिक्षा संबंधी यही भाषायी सुविधा बच्चे के लिए असुविधा बन जाती है, जब वह उच्च शिक्षा के लिए जाता है। खासकर तकनीकी विषयों की पढ़ाई मातृभाषा में कराने की व्यवस्था विकसित ही नहीं की गई। तर्क यह दिया गया कि चूंकि तकनीकी शब्दावली के भारतीय भाषाओं में पर्याय बनाना जटिल काम है, इसलिए उनकी शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी रखना ही उचित होगा। हालांकि अब कुछ राज्य सरकारों ने हिंदी और दूसरी भाषाओं में इंजीनियरिंग, चिकित्सा आदि तकनीकी विषयों की पढ़ाई का प्रयास भी शुरू किया है, मगर पढ़ाने वालों के सामने भाषा संबंधी अड़चनें बनी हुई हैं। इसलिए उच्च शिक्षा में बच्चों का अंग्रेजी से पिंड नहीं छूट पा रहा। वे जैसे-तैसे जोड़तोड़ कर अंग्रेजी में लिखी किताबों से सिद्धांतों और अवधारणाओं को तो आत्मसात कर लेते हैं, मगर जब परीक्षा देने की बारी आती है, तो उनके हाथ-पांव ठंडे पड़ जाते हैं। अनेक मेधावी बच्चे भी परीक्षा में इसीलिए पिछड़ जाते हैं कि उत्तर अंग्रेजी में नहीं लिख पाते। अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस अड़चन को दूर करने का कदम उठाया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष ने सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि वे विद्यार्थियों को स्थानीय भाषाओं में भी परीक्षा देने का अवसर उपलब्ध कराएं। बेशक पाठ्यक्रम अंग्रेजी में हो, पर उन्हें सवालों का जवाब स्थानीय भाषा में लिखने का अवसर मिलना चाहिए। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों से यह भी अनुरोध किया है कि तकनीकी विषयों की पुस्तकें स्थानीय भाषाओं में भी तैयार कराने का प्रयास होना चाहिए। यह एक तरह से उसी कदम की अगली कड़ी है, जिसके तहत कुछ राज्य सरकारें तकनीकी विषयों की पाठ्यपुस्तकें भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने के प्रयास में जुटी हैं। यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करने और प्रतिभा विकास की दृष्टि से तो अच्छी पहल है, मगर व्यावहारिक स्तर पर इसकी सफलता को लेकर सवाल बने ही रहेंगे। उच्च शिक्षा में केवल डिग्री हासिल करना मकसद नहीं होता।

आम जीवन के चितचोर थे बासु चटर्जी

विश्लेषण

✍ अजय कुमार शर्मा

बासु चटर्जी के बारे में इस तरह की कई रोचक और सच्ची जानकारियां हमें हाल ही में वरिष्ठ फिल्म पत्रकार एवं लेखिका अनिता पाध्ये की बासु चटर्जी पर लिखी पुस्तक 'बातों-बातें में ' से प्राप्त होती है। अमन प्रकाशन, कानपुर से प्रकाशित इस पुस्तक को लेखिका ने इसे बासु चटर्जी की विश्वसनीय जीवनी, उन्हीं की जुबानी बताया है जो कि बिल्कुल सही ठहरता है। साठ के दशक के अंत से और सत्तर-अस्सी के दशक तक बासु चटर्जी ने हिंदी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक से एक शानदार फिल्में दीं। जब टीवी ने घर-घर में पैठ बनाई तो उन्होंने रजनी, दर्पण और कक्काजी कहिन जैसे श्रेष्ठ धारावाहिक भी प्रस्तुत कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। 10 जनवरी 1930 को अजमेर में जन्मे बासु चटर्जी के पिता भारतीय रेलवे में काम करते थे। इसलिए उनका बचपन बंबई, आबूरोड और मथुरा में बीता । मथुरा की स्मृति उन्हें रही। वहीं उन्हें फिल्म देखने का चस्का लगा। 1950 में उन्हें बंबई (अब मुंबई) के चर्चगेट स्थित एक विद्यालय में लाइब्रेरियन की नौकरी मिली और वे मुंबई आ पहुंचे । बासु को बचपन से ही चित्रकला में रुचि थी और वह कार्टून बहुत अच्छे बनाया करते थे तो करंट समाचार पत्र में फ्रीलांस कार्टूनिस्ट के रूप में कार्य करने लगे।

बासु चटर्जी, बिमल रॉय और ऋषिकेश मुखर्जी की परंपरा के ऐसे योग्य वाहक थे, जिन्होंने सिनेमा को समाज से जोड़े रखा और उसमें आम जिंदगी के हल्के-फुलके, छोटे-बड़े और खट्टे-मीठे पलों को बड़ी संजीदगी से दर्शकों के सामने रखा। वह साहित्य को सिनेमा में पिरोने वाले निर्देशक भी थे। सारा आकाश, रजनीगंधा, चितचोर, छोटी सी बात, स्वामी, खट्टा-मीठा, बातों-बातों में, शौकीन और चमेली की शादी जैसी सफल, सार्थक फिल्मों के निमार्ता निर्देशक बासु चटर्जी पूरी तरह से फिल्मों के लिए समर्पित थे। वे अपनी फिल्मों की पटकथा और संवाद स्वयं लिखते।0 कोई फाइनेंसर नहीं मिलता तो खुद उधार लेकर फिल्म बनाते। फिल्म हमारे जीवन के नजदीक रहे और ज्यादा खचीर्ली न हो के लिए वह अधिकतर आउटडोर शूटिंग करते। ईमानदार इतने की कलाकारों को अपनी जेब से पैसे दे देते।

बासु चटर्जी के बारे में इस तरह की कई रोचक और सच्ची जानकारियां हमें हाल ही में वरिष्ठ फिल्म पत्रकार एवं लेखिका अनिता पाध्ये की बासु चटर्जी पर लिखी पुस्तक 'बातों-बातें में ' से प्राप्त होती है। अमन प्रकाशन, कानपुर से प्रकाशित इस पुस्तक को लेखिका ने इसे बासु चटर्जी की विश्वसनीय जीवनी, उन्हीं की जुबानी बताया है जो कि बिल्कुल सही ठहरता है। साठ के दशक के अंत से और सत्तर-अस्सी के दशक तक बासु चटर्जी ने हिंदी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक से एक शानदार फिल्में दीं। जब टीवी ने घर-घर में पैठ बनाई तो उन्होंने रजनी, दर्पण और कक्काजी कहिन जैसे श्रेष्ठ धारावाहिक भी प्रस्तुत कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। 10 जनवरी 1930 को अजमेर में जन्मे बासु चटर्जी के पिता भारतीय रेलवे

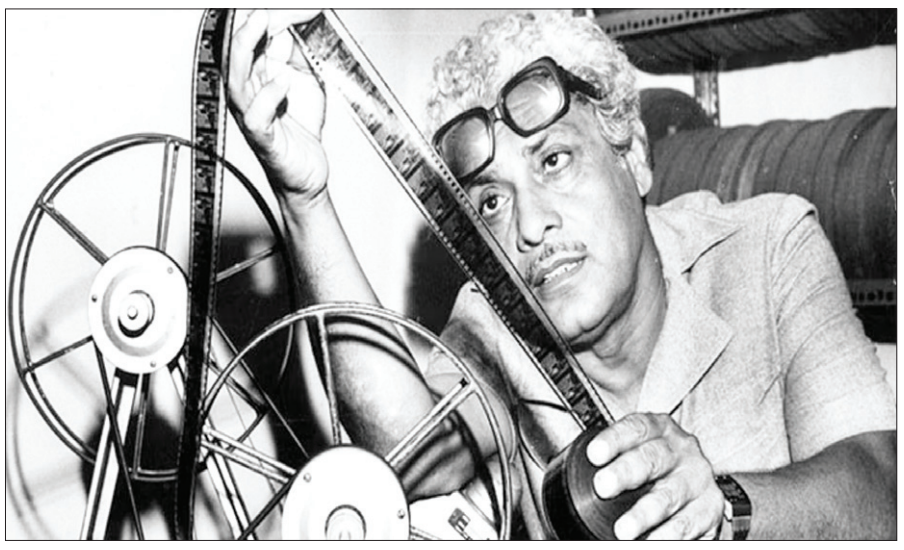

में काम करते थे। इसलिए उनका बचपन बंबई, आबूरोड और मथुरा में बीता । मथुरा की स्मृति उन्हें रही। वहीं उन्हें फिल्म देखने का चस्का लगा।

1950 में उन्हें बंबई (अब मुंबई) के चर्चगेट स्थित एक विद्यालय में लाइब्रेरियन की नौकरी मिली और वे मुंबई आ पहुंचे । बासु को बचपन से ही चित्रकला में रुचि थी और वह कार्टून बहुत अच्छे बनाया करते थे तो करंट समाचार पत्र में फ्रीलांस कार्टूनिस्ट के रूप में कार्य करने लगे। इसी बीच चर्चित साप्ताहिक पत्र बिल्ट्ज में भी वे फ्रीलांस कार्टून बनाने लगे।

तभी उन्हें जानकारी मिली की गीतकार शैलेंद्र जो कि मथुरा के ही रहने वाले थे, तीसरी कसम नाम से फिल्म बना रहे है तो वे उनके पास जा पहुंचे फिल्म में सहायक निर्देशक का काम मांगने। इस फिल्म के निर्देशक उनके ही नामाराशि बासु भट्टाचार्य थे और उनकी भी यह पहली ही फिल्म थी। बासु चटर्जी चीफ असिस्टेंट नियुक्त हुए। उनके साथ बीआर इशारा भी सहायक निर्देशक के रूप में थे। फिल्म निर्देशन सीखने के लिए उनका पहला पाठ ही फिल्मी दुनिया के कई दिग्गजों के साथ था। सहायक निर्देशक के रूप में उनकी दूसरी फिल्म थी सरस्वतीचंद्र। अब तक वे सिनेमा से संबंधित सभी तकनीकी जानकारियां प्राप्त कर चुके थे। अतः उन्होंने स्वयं फिल्म बनाने का निर्णय लिया। उनके परिचित अरुण कौल ने उसी समय हिंदी के चर्चित कहानीकार राजेंद्र यादव के उपन्यास सारा आकाश के अधिकार 21 रुपये में खरीदे थे ।

बासु चटर्जी को भी इसकी कहानी पसंद आई और फिल्म बननी शुरू हो गई। इसके लिए उन्होंने फिल्म वेलफेयर कापोर्रेशन से कर्ज लिया। राकेश पांडेय, नंदिता ठाकुर, एके हंगल, दीना पाठक, मणि ठाकुर आदि कलाकारों का चयन हुआ। फिल्म की तारीफ तो हुई लेकिन इतनी कमाई नहीं हुई कि कर्ज उतारा जा सके। हां, उन्हें पटकथा लेखन के लिए इस वर्ष का फिल्म फेयर पुरस्कार मिला और राजश्री, जिन्होंने उनकी इस फिल्म का वितरण किया था द्वारा फिल्म पिया का घर बनाने का प्रस्ताव दिया गया। यह फिल्म सफल रही और उनसे बड़े-बड़े लोग फिल्म निर्देशित करने के लिए संपर्क करने लगे। बासु चटर्जी की अगली फिल्म थी राजेंद्र यादव की पत्नी मन्नू भंडारी की कहानी यही सच है के आधार पर बनी रजनीगंधा। यह फिल्म भी बेहद सफल रही। हालांकि पहले इसे कोई वितरक लेने को तैयार नहीं था क्योंकि फिल्म के नायक-नायिका बिल्कुल सीधे साधे थे जबकि उस समय हीरो-हीरोइन के चरित्र लार्जर दैन लाइफ हुआ करते थे। इसी समय उन्हें बीआर चोपड़ा की फिल्म छोटी सी बात और राजश्री की फिल्म चितचोर मिली । यह दोनों फिल्में भी दर्शकों द्वारा खूब पसंद की गईं। पहली बार मध्यमवर्गीय समाज सिनेमा का केंद्र बिंदु बना। कम बजट में बनाई गई इन फिल्मों का एक आकर्षण कर्णप्रिय संगीत तो था ही नए प्रतिभाशाली कलाकार भी थे, जिनमें आम लोगों ने अपनी जिंदगी के अक्स पाए।

बासु चटर्जी की सृजनात्मक यात्रा चलती रही। स्वामी, प्रियतमा, खट्टा मीठा, दिल्लगी, बातों-बातों में, हमारी बहु अलका, शौकीन, लाखों की बात, चमेली की शादी और किरायेदार आदि । 1985 में उन्होंने दूरदर्शन के लिए रजनी और दर्पण जैसे सीरियल बनाए और फिर 1988 में कक्काजी कहिन। यह बहुत पसंद किए गए । अपने जीवनकाल में बासु चटर्जी ने 35 फिल्में की और पटकथा लेखन और निर्देशन के लिए कई फिल्म फेयर पुरस्कार प्राप्त किए। 1997 की फिल्म गुदगुदी जिसमें अनुपम खेर और प्रतिभा सिन्हा थे उनके द्वारा निर्देशित अंतिम फिल्म थी। उन्होंने पांच बांग्ला फिल्में भी निर्देशित कीं। चार जून 2020 को वे हमारे बीच नहीं रहे।

चलते-चलते

पिया का घर फिल्म में बासु चटर्जी नायक के रूप में अमोल पालेकर को लेना चाहते थे लेकिन राजश्री के राजकुमार बड़जात्या ने कहा कि उनका साधारण चेहरा हीरो के रूप में नहीं चलेगा तब अनिल धवन का चुनाव किया गया। इस फिल्म के एक गीत-बंबई शहर की सैर करा दूं... की शूटिंग मुंबई के प्रमुख स्थानों पर की गई थी। इस गाने के अंतिम अंतरे में अमिताभ बच्चन वेटर की भूमिका में ,जया भादुड़ी और अनिल धवन को कोकाकोला देते हुए दिखाई देते हैं। यह इसलिए मुमकिन हुआ था क्योंकि इस दौरान अमिताभ बच्चन राजश्री की फिल्म सौदागर में काम कर रहे थे और दूसरी तरफ उनकी जया से भी अच्छी दोस्ती हो गई थी। पिया के घर का संगीत लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने दिया था। जब उन्होंने फिल्म का फाइनल ट्रायल शो देखा तो बहुत नाराज हो गए, क्योंकि फिल्म के सभी गाने हीरो-हीरोइन पर बैकग्राउंड में रखे गए थे। इससे वे इतने नाराज हुए कि उन्होंने फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक देने से इंकार कर दिया और बाद में राजश्री के लिए कभी काम नहीं किया।

(लेखक, वरिष्ठ साहित्य और कला समीक्षक हैं।)

राजस्थान में आरटीई भी आरटीएच की तरह 'असहयोग' की राह पर!

निजी स्कूलों ने सड़क पर आंदोलन की राह नहीं चुनी है, लेकिन उन्होंने चुपचाप बैठे-बैठे ही सरकार को अपनी मंशा से अवगत करा दिया है कि आरटीई को लेकर जितनी परेशानियां उन्हें आ रही हैं, उनका समाधान नहीं होने तक वे सहयोग के मूड में नहीं हैं। और इसका नतीजा यह है कि सत्र 2022-23 के प्री-प्राइमरी कक्षाओं के आरटीई के बैकलॉग पर तलवार लटक गई है, वहीं नए सत्र 2023-24 के लिए 20 अप्रैल को निकलने वाली लॉटरी को स्थगित करना पड़ा है। हालांकि, सरकार यह दावा भी कर रही है कि आरटीई के एक माह पूर्व भरे गए पिछले सत्र के प्रवेशों को वह लागू करवाएगी, लेकिन एक बार तो निजी स्कूलों ने ताल ठोक ही दी है।

जिसकी आशंका थी, वह सामने नजर आने लगा है। जिस दिन राजस्थान में राइट टू हेल्थ आरटीएच के खिलाफ चिकित्सकों ने लामबंदी की थी, उसी दिन से ही यह आशंका बन चली थी कि कहीं राइट टू एजुकेशन आरटीई के प्रति भी निजी स्कूल यही राह न अपना लें। भले ही निजी स्कूलों ने सड़क पर आंदोलन की राह नहीं चुनी है, लेकिन उन्होंने चुपचाप बैठे-बैठे ही सरकार को अपनी मंशा से अवगत करा दिया है कि आरटीई को लेकर जितनी परेशानियां उन्हें आ रही हैं, उनका समाधान नहीं होने तक वे सहयोग के मूड में नहीं हैं। और इसका नतीजा यह है कि सत्र 2022-23 के प्री-प्राइमरी कक्षाओं के आरटीई के बैकलॉग पर तलवार लटक गई है, वहीं नए सत्र 2023-24 के लिए 20 अप्रैल को निकलने वाली लॉटरी को स्थगित करना पड़ा है। हालांकि, सरकार यह दावा भी कर रही है कि आरटीई के एक माह पूर्व भरे गए पिछले सत्र के प्रवेशों को वह लागू करवाएगी, लेकिन एक बार तो निजी स्कूलों ने ताल ठोक ही दी है।

आरटीएच आंदोलन में भी सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा इलाज की राशि के पुनर्भरण का था और अब आरटीई में भी यही मुद्दा सबसे ऊपर है। राइट टू एजुकेशन में निःशुल्क प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की फीस के पुनर्भरण को लेकर लंबे समय से सरकार और निजी स्कूलों में खींचतान बनी हुई है। पहले तो निजी स्कूल पुनर्भरण राशि को कम मानते हैं, दूसरे भुगतान में अत्यधिक देरी स्कूलों के अर्थतंत्र को प्रभावित कर देती है। यह स्थिति पिछले सालों से बनी हुई है। और इस बार सरकार ने पिछले बीत चुके सत्र 2022-23 से प्री-प्राइमरी कक्षाओं में आरटीई के प्रवेश की प्रक्रिया को सत्र समाप्त होने के समय करने के आदेश दिए। प्रक्रिया भी हुई और प्रवेश के लिए लॉटरी भी निकल गई, लेकिन इसके साथ सरकार का यह निर्णय कि सत्र 2022-23 के प्रवेशार्थियों की फीस का पुनर्भरण सरकार तीन साल तक नहीं करेगी, यह निजी स्कूलों के लिए समस्या बन गया और उन्होंने न्यायालय की शरण ली है।

दरअसल, निजी स्कूलों का कहना है कि सत्र के अंत में सरकार ने प्री-प्राइमरी यानी नर्सरी, एलकेजी और एचकेजी तीनों कक्षाओं में आरटीई के तहत 25 प्रतिशत निःशुल्क प्रवेश का कोटा पूरा करने के आदेश दिए। पहली बात तो यह कि स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें खाली ही नहीं थी, क्योंकि सत्रारम्भ में स्कूल सशुल्क सीटें भर चुके थे, ऐसे में यह 25 प्रतिशत निःशुल्क प्रवेश अतिरिक्त हो गए, अब स्कूलों को कक्षाओं में बैठने की क्षमता व संसाधन बढ़ाने की मजबूरी हो गई। दूसरी बात यह कि इस बैकलॉग में सारा काम बैकडेट में करने की झंझट और उनके माथे आन पड़ी है। सत्र 2022-23 में प्राइमरी की पहली कक्षा में आरटीई के प्रवेश सत्रारम्भ के समय हो गए थे और उनका भौतिक सत्यापन भी हो गया था, अब तक नियमानुसार सारी कागजी कार्रवाई पूरी हो चुकी है और सरकार के पास जा चुकी हैं, ऐसे में प्री-प्राइमरी की इन तीन कक्षाओं का भौतिक सत्यापन कब, कैसे और किस नियम से होगा और बाद में इनकी फीस का पुनर्भरण कैसे होगा, क्या सरकार इसके लिए अलग से ऑडिट में शिथिलता देने वाली है, क्योंकि वित्तीय वर्ष बीत चुका है। कुल मिलाकर सत्र 2022-23 के अंतर्गत प्री-प्राइमरी कक्षाओं में बैकलॉग वाला निःशुल्क प्रवेश खटाई में पड़ता नजर आ रहा है और इसके चलते नए सत्र 2023-24 के निःशुल्क प्रवेश भी प्रभावित हो गए हैं। निजी स्कूल फीस पुनर्भरण हर साल का हर साल चाह रहे हैं, कुछ निजी स्कूलों के प्रबंधकों ने तो यह भी कहा कि इसी वर्ष चुनाव भी हैं और यदि पुनर्भरण का स्पष्ट निर्णय समय रहते नहीं हुआ तो उन्हें भविष्य की भी चिंता सता रही है। एक निजी स्कूल के प्रबंधन से जुड़े आनंद जोशी कहते हैं कि कोरोनाकाल की फीस को लेकर आई परेशानी से निजी स्कूल अभी उबर ही रहे हैं और अब सरकार ने जो निर्णय उन पर थोपा है, वह चिंता बढ़ाने वाला है। एक आकलन के अनुसार प्री-प्राइमरी कक्षाओं में सत्र 2022-23 में सवा लाख बच्चों का निःशुल्क प्रवेश हुआ है। एक बच्चे की तीन सत्र की फीस 30 से 40 हजार रुपये बैठती है, तब तीन साल बाद यह राशि 375 करोड़ से 500 करोड़ के बीच में बैठेगी। जब सरकार अभी एक साल का भुगतान नहीं कर पा रही है, तब तीन साल का भुगतान एक साथ कैसे कर पाएगी। चूंकि, शिक्षा के मंदिर सड़क पर उतरने का निर्णय अचानक नहीं कर सकते, या यह भी माना जा सकता है कि सड़क पर उतरने पर उनकी संख्या कितनी होगी क्योंकि बच्चे और अभिभावक तो उनके पास होंगे नहीं, इसलिए उन्होंने अपने तरीके से शांतिपूर्ण तरीका अपनाया है, लेकिन इस सारी खींचतान में सत्र 2022-23 और सत्र 2023-24 के निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदन भरने वाले अभिभावकों का इंतजार बढ़ गया है। एक सत्र बीच चुका है और निजी स्कूलों में नए सत्र की कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, प्री-प्राइमरी कक्षाओं के साथ नए सत्र की पहली कक्षा में भी आरटीई का प्रवेश अटक गया है। सवाल यह भी है कि क्या निजी स्कूल 25 प्रतिशत सीटें खाली रखते हुए निर्णय का इंतजार करेंगे। ऐसे में जाहिर है कि यह इंतजार लंबा भी नहीं किया जा सकता। अभिभावक कहीं न कहीं बच्चों का प्रवेश कराने को मजबूर हो जाएंगे। अभिभावकों की आस अब न्यायालय और राज्य सरकार पर टिकी है। दोनों सत्रों के लिए शीघ्र राहत भरे निर्णय का इंतजार है, अभिभावकों को भी और निजी स्कूलों को भी।

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

आप सभी को भगवान परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि उनकी कृपा से हर किसी का जीवन साहस, विद्या और विवेक से परिपूर्ण हो।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

ईद-उल-फि त्र पर सभी देशवासियों विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों-बहनों को मैं बधाई देती हूं। प्रेम और करुणा का पर्व ईद हमें दूसरों की मदद करने का संदेश देता है। आइए, जश्न के इस मुबारक मौके पर हम सभी समाज में भाईचारा और आपसी सौहार्द को बढ़ाने की राह पर आगे बढ़ने का संकल्प लें।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

झारखंड में फिर एक बार पुलिस की हैवानियत देखने को मिली है। जमीन के एक मामले की शिकायत करने महागामा थाना पहुंची गोड्डा की शिक्षिका, पिंकी कुमारी और उसके पति के साथ न केवल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने गाली गलौच किया। बल्कि शिक्षिका के पति प्रीतम कुमार की बर्बरता से पिटाई करके हाथ तक तोड़ दिए और दोनों को घंटो बंधक बनाये रखा।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

आध्यात्म का उदार चिंतन

परम सत्ता तक पहुंचने के विविध मार्ग बताए गए हैं। यह उदार चिंतन केवल भारत में हुआ। हिन्दुओं के सभी पंथ और उपासना पद्धति के प्रति सम्मान रखिए। इनका सांस्कृतिक सूत्र एक है। भारत में समय-समय पर संतों ने समरसता का ही संदेश दिया। अपने को एक मात्र श्रेष्ठ मानने का विचार भारतीय चिंतन में कभी नहीं रहा। वैदिककाल में कर्म आधारित व्यवस्था थी। ऐसे भी उदाहरण है जब ऋषि ने अपने पुत्र को ही ब्राह्मण नहीं माना था। स्वामी दयानन्द, स्वामी विवेकानंद और आचार्य श्रीराम शर्मा ने वैदिक आधार पर आडम्बर दूर करने के प्रयास किए। इन्होंने गायत्री मंत्र साधना का सबको अधिकार दिया। यह वैदिक अवधारणा है। यह हिन्दू दर्शन की विशेषता है।

हमारे ऋषि कहते हैं मेरा चिंतन जहां तक गया, उसे प्रकट किया। लेकिन यह अंत नहीं है। प्रश्न और जिज्ञासा हिन्दू चिंतन की विशेषता है। समय समय पर संतो महापुरुषों ने समाज को जागरूक किया। ऐसे सभी लोगों का सम्मान करिए। उनसे सहमति असहमति हो सकती है। लेकिन इन सभी लोगों ने अपने-अपने ढंग से सामाजिक समरसता का ही संदेश दिया। परिस्थितियों और आस्था के अनुरूप जितना सम्भव हो, उतने का पालन करिए। माता-पिता के जीवनकाल में उनकी सेवा करिए। समाज और राष्ट्र के हितों के प्रतिकूल आचरण नहीं होना चाहिए।

सामाजिक समरसता का भाव रहना चाहिए। उपासना पद्धति में अंतर होने से भी इस विचार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। भारत में तो प्राचीन काल से सभी मत पंथ व उपासना पद्धति को सम्मान दिया गया। सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः ही भारत की विचार दृष्टि है। निःस्वार्थ सेवा और सामाजिक समरसता भारत की विशेषता रही है। बंधुत्व शब्द हिंदुत्व की भावना के अनुरूप है। इस दर्शन में किसी सम्प्रदाय से अलगाव को मान्यता नहीं दी गई। विविधता के बाद भी समाज एक है। भाषा,जाति, धर्म,खानपान में विविधता है। उनका उत्सव मनाने की आवश्यकता है। कुछ लोग विविधता की आड़ में समाज और देश को बांटने की कोशिश में जुटे रहते हैं। लेकिन भारतीय चिंतन विविधता में भी एकत्व सन्देश देता है।

हमारी संस्कृति का आचरण सद्भाव पर आधारित है। यह हिंदुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत में रहने वाले ईसाई और मुस्लिम परिवारों के भीतर भी यह भाव साफ देखा जा सकता है। क्रोध और अविवेक के कारण इसका लाभ लेने वाली अतिवादी ताकतों से सावधान रहना है। सेवा समरसता आज की आवश्यकता है। इस पर अमल होना चाहिए। इसी से श्रेष्ठ भारत की राह निर्मित होगी। वर्तमान परिस्थिति में आत्म संयम और नियमों के पालन का भी महत्व है। समाज में सहयोग सद्भाव और समरसता का माहौल बनाना आवश्यक है। भारत ने दूसरे देशों की सहायता करता रहा है, क्योंकि यहीं हमारा विचार है।

समस्त समाज की सर्वांगीण उन्नति ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। जब हिंदुत्व की बात आती है तो किसी अन्य पंथ के प्रति नफरत, कट्टरता या आतंक का विचार स्वतः समाप्त हो जाता है। तब वसुधैव कुटुंबकम व सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव ही जागृत होता है। भारत जब विश्व गुरु था,तब भी उसने किसी अन्य देश पर अपने विचार थोपने के प्रयास नहीं किए। भारत शक्तिशाली था, तब भी तलवार के बल पर किसी को अपना मत त्यागने को विवश नहीं किया। दुनिया की अन्य सभ्यताओं से तुलना करें तो भारत बिल्कुल अलग दिखाई देता है, जिसने सभी पंथों को सम्मान दिया। सभी के बीच बंधुत्व का विचार दिया। ऐसे में भारत को शक्ति सम्पन्न बनाने की बात होती है तो उसमें विश्व के कल्याण का विचार ही समाहित होता है।

जनसंख्या बल

आबादी किसी भी देश की तरक्की का बड़ा आधार होती है, मगर इसके साथ ही संसाधनों पर उसका बोझ बढ़ने से कई दुश्वारियां भी पैदा होती हैं। इसलिए स्वाभाविक ही आबादी के मामले में भारत के शीर्ष पर पहुंचने को लेकर एक तरफ उत्साह है, तो दूसरी तरफ चिंताएं भी गहरी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के आंकड़ों के मुताबिक भारत ने आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि कुछ लोगों में इस आंकड़े को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही कि भारत इस पायदान पर अभी पहुंच गया है या दो महीने बाद यानी जून तक पहुंचेगा। मगर बहस इस बात पर होनी चाहिए कि इस जनसंख्या वृद्धि के निहितार्थ क्या हैं। ताजा आंकड़े जारी होने के बाद चीन ने कहा है कि उसके पास अब भी नब्बे करोड़ से अधिक लोगों का गुणवत्ता वाला मानव संसाधन है। चीन की पीड़ा समझी जा सकती है। दरअसल, जनसंख्या के बल पर ही उसने नब्बे के दशक से आर्थिक तरक्की की है। हालांकि पंद्रह से चौंसठ साल आयुवर्ग की कामकाजी आबादी के मामले में चीन अब भी भारत से आगे है। भारत की अपेक्षा उसके पास इस आयुवर्ग के एक करोड़ लोग अधिक हैं। मगर चौदह साल से कम उम्र की आबादी के मामले में भारत की तुलना में चीन काफी पिछड़ गया है। यानी आने वाली कामकाजी पीढ़ी भारत के पास अधिक होगी। इसी तरह चीन में जीवन की अवधि भारत की अपेक्षा अधिक होने की वजह से उस पर बुजुर्ग आबादी का बोझ अधिक है। माना जा रहा है कि भारत अपनी आबादी के बल पर विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा। पिछले कुछ सालों में इसकी विकास दर पर इसका असर भी साफ देखा गया है। हालांकि चीन ने अपनी प्रजनन दर पर काफी अंकुश लगाया है। भारत भी इस दिशा में सतर्क है और उसकी प्रजनन दर 2.2 से घट कर 2.0 पर आ गई है।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना - रातू, जिला - रांची, झारखंड, पिन - 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक - **फहीम अख्तर*** (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

आज केकेआर को हराकर जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी सीएसके

-जीत के लिए बेकरार हैं केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। लगातार तीन मैचों में हार से मुश्किल में फंसी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जीत दर्ज करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम ने पिछले दोनों मैच जीते हैं, उसका लक्ष्य यहां लगातार तीसरी जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना होगा। केकेआर के अभी छह मैचों में चार अंक हैं। उसकी शुरुआत अच्छी रही थी लेकिन पिछले तीन मैचों में केकेआर को सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

इन तीनों टीम में से दिल्ली और हैदराबाद इस सत्र में संघर्ष कर रहे हैं, जबकि मुंबई ने पिछले कुछ मैचों में ही वापसी की है। दिल्ली ने लगातार पांच मैच हारने के बाद केकेआर को हराकर वर्तमान सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। केकेआर को पिछले तीनों मैचों में बल्लेबाजों की सामूहिक नाकामी के कारण हार देखनी पड़ी हैं, क्योंकि इस बीच उसके गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया था। पिछले मैच में दिल्ली के खिलाफ केकेआर के बल्लेबाजों ने 67 गेंदों पर रन नहीं बनाए और उसकी पूरी टीम 127 रन पर आउट हो गई थी।

केकेआर को जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार कर वापसी करनी होगी, क्योंकि अब किसी भी तरह की ढिलाई बरतना टीम को महंगा पड़ सकता है। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने पिछले मैच में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन उनके साथी लिटन दास नहीं चल सके थे। इसके बाद में नारायण जगदीशन को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखकर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत किया जा सकता है।

दिल्ली के खिलाफ मैच में केकेआर के लिए आंद्रे रसेल का फॉर्म में लौटना सकारात्मक पहलू रहे और टीम को उनसे फिर से आक्रामक पारी की उम्मीद रहेगी। केकेआर के गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया

है लेकिन सुनील नारायण पिछले मैच में नहीं चल सके थे, और वह चेन्नई के खिलाफ मजबूत वापसी करने की कोशिश करने वाले हैं।

ईडन गार्डन्स केकेआर का घरेलू मैदान है, लेकिन रविवार को यह धोनी के रंग में रंगा हो सकता है। इस करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज का यह इस ऐतिहासिक मैदान पर आखिरी मैच हो सकता है। इसकारण इस मैच के टिकटों की भारी मांग है। चेन्नई सुपर किंग्स ने पिछले मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। रुतुराज गायकवाड और न्यूजीलैंड के उनके सलामी जोड़ीदार डेवोन कॉनवे टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। कॉनवे स्पिनरों को अच्छी तरह से खेल रहा है, वह नारायण और वरुण चक्रवर्ती की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार लगता है। चेन्नई की स्पिन तिकड़ी मोईन अली, रविंद्र जडेजा और महेश तीक्ष्णा भी अपना कमाल दिखाने के लिए तैयार हैं, लेकिन चेन्नई के लिए श्रीलंका का तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना तुरुप का इक्का साबित हुआ है। केकेआर के बल्लेबाजों को उनके सामने संभलकर खेलना होगा।

संभावित प्लेइंग 11

कोलकाता नाइट राइडर्स : जेसन रॉय, लिटन दास (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, नितीश राणा (कप्तान), आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकुल रॉय, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे, शिवम दूबे, मोइन अली, रवींद्र जडेजा, एमएस धानी (कप्तान और विकेटकीपर), महेश ठीकशाना, तुषार देशपांडे, आकाश सिंह, मथीशा पथिराना

तीरंदाजी विश्वकप : भारत में कंपाउंड मिश्रित टीम में स्वर्ण पदक जीता

अंताल्या (एजेंसी)। ज्योति सुरेखा वेनम और उनकी जोड़ीदार ओजस देवताले ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे की टीम को 159-154 से हराकर विश्वकप तीरंदाजी के पहले चरण में कंपाउंड मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोला।

भारत का यह मिश्रित कंपाउंड स्पर्धा में विश्व कप में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले ज्योति और अभिषेक वर्मा ने पेरिस में 2022 में विश्वकप के तीसरे चरण में स्वर्ण पदक जीता था। राष्ट्रीय ट्रायल्स में टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे वर्मा की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया तथा 16 निशानों में से 15 निशाने सही लगाकर अपनी 12वीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदी टीम को एकतरफा फाइनल में आसानी से हराया।

ज्योति और 20 वर्षीय देवताले की दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गवाया नहीं तो स्कोर 160 में से 160 होता। ज्योति और देवताले ने लगातार 'परफेक्ट 10' का स्कोर बनाया और जल्द ही 120-116 से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी उन्होंने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर आसानी से पहला स्थान हासिल किया।

उलटफेर वाले मुकाबले में गुजरात टाइटंस की जीत, लखनऊ को 7 रनों से हराया

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के 30वें मुकाबले में लखनऊ सुपरजाइंट्स को गुजरात के हाथों 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस की टीम में 135 रन बनाए थे। जीत के लिए 136 रनों की दरकार थी जिसे लखनऊ सुपरजाइंट्स हासिल नहीं कर सकी। लखनऊ सुपरजाइंट्स ने शुरुआत अच्छी की थी और 55 पर पहला झटका लगा था। वहीं, दूसरा विकेट 106 रन पर गिरा था। यहां तक मैच लखनऊ सुपरजाइंट्स के हाथ में था। लेकिन इसके बाद गुजरात के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और उलटफेर वाले मुकाबले में लखनऊ को हरा दिया। गुजरात की ओर से नूर अहमद, मोहम्मद शमी और मोहित शर्मा ने अहम मौकों पर शानदार गेंदबाजी की। नूर अहमद ने 4 ओवर में 18 रन देकर दो सफलताएं हासिल की। वहीं, मोहित शर्मा ने भी सधी हुई गेंदबाजी की। मोहित ने 3 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट हासिल किए। मोहित शर्मा के 20वें ओवर में लखनऊ के 4 विकेट गिरे। इसमें 2 रन आउट भी शामिल है। लखनऊ की ओर से सबसे ज्यादा रन कप्तान केएल राहुल ने बनाए। केएल राहुल ने 61 गेंदों में 68 रनों की पारी खेली।

इससे पहले कप्तान हार्दिक पंड्या की संयम और आक्रामकता से भरी अर्धशतकीय पारी के बावजूद गुजरात टाइटंस की टीम लखनऊ सुपरजाइंट्स की कसी हुई गेंदबाजी के सामने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में शनिवार को छह विकेट पर 135 रन ही बना पाया। हार्दिक ने बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिच पर 50 गेंदों पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 66 रन बनाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने 37 गेंदों पर 47 रन की पारी खेली जिसमें छह चौके शामिल हैं।

आरसीबी के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए राजस्थान रॉयल्स को करना होगा ये बदलाव, तभी कर सकेगी अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 16वें सीजन में 32वां मुकाबला बैंगलोर के एमए चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाना है। वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर है। वहीं राजस्थान रॉयल्स को अगर शीर्ष स्थान पर आना है तो उसे इस मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन कर जीत हासिल करनी होगी। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की फॉर्म में चल रही मजबूत टीम के खिलाफ इस प्रदर्शन को बनाए रखना काफी मुश्किल काम हो सकता है।

गौरतलब है कि राजस्थान रॉयल्स अभी तक चार जीत और दो हार से आठ अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। वहीं आरसीबी की टीम मजबूत होने के बावजूद निरंतर एक जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाई और वह तीन जीत और इतने ही मैचों में हार से पांचवें स्थान पर है। राजस्थान की टीम पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ अपने प्रदर्शन पर काफी मंथन कर रही होगी। उसके सामने 155 रन का लक्ष्य था तथा यशस्वी जयसवाल (44) और जोस बटलर (40) ने पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़कर उसे अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण उसे 10 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

राजस्थान के पास जायसवाल और बटलर के

रूप में बेहतरीन और मजबूत ओपनिंग जोड़ी है। दोनों ही टीम को मजबूती देने में अपना योगदान दे रहे है। हालांकि राजस्थान के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं कप्तान संजू सैमसन और शिमरोन हेटमायर रन बना रहे हैं मगर दोनों की परफॉर्मेंस में निरंतरता की कमी है, जिसे बनाए रखना दोनों के लिए जरूरी है। देवदत्त पडिक्कल और रियान पराग अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं जिससे राजस्थान की परेशानी बढ़ गई है। अनुभवी ट्रेंट बोल्ट और संदीप शर्मा के रूप में राजस्थान के पास तेज गेंदबाजी की अच्छी जोड़ी है लेकिन फाफ डुप्लेसी और विराट कोहली की बेहतरीन फॉर्म में चल रही सलामी जोड़ी के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी।

स्पिन विभाग में रविचंद्रन अश्विन ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है लेकिन युजवेंद्र चहल महंगे साबित हुए हैं और उन्हें इस पर गौर करना होगा। राजस्थान रॉयल्स की तरह आरसीबी के पास मेंडुप्लेसी और कोहली के रूप में बेहतरीन सलामी जोड़ी है जिन्होंने अभी तक टीम को शानदार शुरुआत दिलाई है। ये दोनों अभी तक दो शतकीय साझीदारी निभा चुके हैं और फिर से बड़ी साझेदारी निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। डुप्लेसी और कोहली ने इस बीच चार-चार अर्धशतक जड़े हैं। कोहली को हालांकि अपना स्ट्राइक रेट बेहतर करने की जरूरत है।

ग्लेन मैक्सवेल ने लंबे शॉट खेलने के अपने कौशल का प्रदर्शन किया है लेकिन उनमें निरंतरता का अभाव है। आरसीबी को इसके साथ ही मध्यक्रम में दिनेश कार्तिक, महिपाल लोमारोर, शाहबाज़ अहमद और सुयश प्रभुदेसाई से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अब तक छह मैचों में 12 विकेट लिए हैं जिनमें पिछले मैच में 21 रन देकर चार विकेट भी शामिल हैं। सिराज को वायने पार्नेल और हर्षल पटेल से भी अच्छा सहयोग मिला है जिन्होंने अभी तक आठ-आठ विकेट लिए हैं। ये दोनों तेज गेंदबाज हालांकि महंगे साबित हुए हैं और आगामी मैचों में उन्हें इस पर ध्यान देना होगा। आरसीबी के स्पिन विभाग की जिम्मेदारी श्रीलंका के वानिंदू हसरंगा पर है जिन्होंने अभी तक प्रभावशाली गेंदबाजी की है।

नोवाक जोकोविच 11 साल में पहली बार हमवतन सर्बियाई खिलाड़ी से हारे

बंजा लुका (बोस्निया एवं हर्जेगोविना)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सर्पस्का ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपने हमवतन डुसान लाजोविच से हार गए। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि जोकोविच को अपने हमवतन किसी खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा।

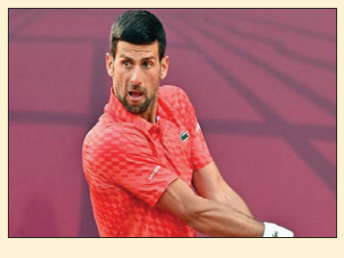

लाजोविच ने शुक्रवार को खेले गए इस मैच में 6-4 7-6 (6) से जीत दर्ज करने के बाद कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। जोकोविच मेरा अच्छा दोस्त और हमारे देश का नायक है। मैंने उसे हराने के बारे में सोचा तक नहीं था लेकिन ऐसा हो गया।' जोकोविच को इससे पहले आखिरी बार सर्बिया के किसी खिलाड़ी से 2012 में हार का सामना करना पड़ा था। तब मैड्रिड में जांको टिप्सारेविच ने उन्हें पराजित किया था।

टी20 क्रिकेट में बतौर कीपर सबसे अधिक कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बने धोनी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2023 के 29वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। वह टी20 क्रिकेट में बतौर विकेट कीपर अब सबसे अधिक कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने मामले में साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक को पछाड़ा है, जो आईपीएल में लखनऊ सुपर जाएंट्स का हिस्सा हैं। धोनी ने यह उपलब्धि एसआरएच के कप्तान एडन मार्क्रम का कैच पकड़कर हासिल की। बता दें, मैच में चेन्नई ने हैदराबाद को 7 विकेट से हराकर चौथा मुकाबला जीता।

पारी का 13वां ओवर लेकर आए महेश तीक्षणा की पांचवी गेंद पर मार्क्रम बड़ा शॉट खेलना चाहते थे, मगर इस जादुई स्पिनर ने हैदराबाद के कप्तान को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। इसमें गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधा धोनी के दस्तानों में गई। इस कैच के साथ सीएसके के कप्तान टी20 क्रिकेट में बतौर कीपर सबसे अधिक कैच लेने वाले खिलाड़ी बने। धोनी अभी तक क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में बतौर विकेट कीपर 208 कैच लपक चुके हैं। उन्होंने इस लिस्ट में क्विंटन डी कॉक को पछाड़ा है, जिनके नाम 207 कैच हैं।

इस सूची में एमएस धोनी सबसे पहले स्थान पर आते हैं, उन्होंने अब तक 208 कैच पकड़े हैं। दूसरे नंबर पर 107 कैचों के साथ क्विंटन डी कॉक हैं, फिर दिनेश कार्तिक-205, कामरान अकमल- 172 और दिनेश रामदीन-150 कैचों के साथ पांचवें नबर पर आते हैं। 2006 में अपना पहला टी20 मुकाबला खेलने वाले धोनी ने अभी तक इस फॉर्मेट में कुल 356 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 208 कैच पकड़ने के अलावा 85 स्टंप आउट भी किए हैं।

वनडे क्रिकेट को दिलचस्प बनने सचिन ने दिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

-पूर्व भारतीय कोच शास्त्री भी कर चुके हैं बदलाव की बात

मुंबई (एजेंसी)। वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले साल 2023 के अक्टूबर-नवंबर में होने है। इससे पहले भारतीय दिग्गज बल्लेबाज रहे सचिन तेंदुलकर ने खेल में रोचकता और बल्लेबाजों के प्रभाव को कम करने के लिए कई अहम सुझाव दिए हैं। अभी वनडे क्रिकेट में दोनों एंड से नई गेंद का इस्तेमाल होता है। इसके बाद बैटर्स के पास तेजी से रन बनाने का मौका होता है, और रिवर्स स्विंग की गुंजाइश भी काफी कम हो जाती है।

पूर्व भारतीय दिग्गज तेंदुलकर 50 साल के होने वाले हैं। 24 अप्रैल को उनका जन्मदिन है। इसके पहले उन्होंने वनडे प्रारुप में बड़े बदलाव की बात कही है। इसके पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री भी कह चुके हैं, कि वनडे को रोचक बनाए रखने के लिए 50 की जगह अब इस 40 ओवरों का कराया जाना चाहिए। अब सचिन ने वनडे को टेस्ट की तरह 4 पारियों में कराए जाने की सलाह दी है।

सचिन ने कहा कि वनडे में अब बल्लेबाजों का ही दबदबा दिखता है। दोनों के बीच असंतुलन साफ दिखाई दे रहा है। इस रोचक बनाने के लिए इसमें कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए जाने की जरूरत। उन्होंने कहा कि टी20 के आने से खेल काफी तेज हो गया है। पलक झपकाते की मैच खत्म हो जाता है। लेकिन मेरे हिसाब से अब वनडे फॉर्मेट पर अधिक ध्यान दिए देने की जरूरत है। तेंदुलकर ने कहा कि वनडे क्रिकेट इस समय बल्लेबाजों के पक्ष में अधिक झुका हुआ है। 2 नई गेंद से पारी शुरू होने के कारण 25 ओवर के मैच के बाद गेंद 12 या 13 ओवर पुरानी होती है। इस कारण गेंदबाज रिवर्स स्विंग नहीं करा पता है। इससे गेंद ना तब नरम होती है, ना ही उसका रंग फीका पड़ता है। इन चीजों से गेंदबाजी वाली टीम दबाव में होती है। गेंद का रंग और चमक उड़ने की चुनौती पहले भी थी और तब बल्लेबाज शिकायत करते थे। यह थोड़ा गेंदबाजों के पक्ष में था। तेंदुलकर ने कहा कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिलना ही चाहिए, लेकिन मुझे लगता है कि अभी खेल से वह चीज गायब है। इसके साथ ही 30 गज के दायरे में में 5 फिल्डरों के कारण स्पिन गेंदबाज अपनी लाइन में ज्यादा बदलाव करने का जोखिम नहीं ले सकते। उन्होंने वनडे क्रिकेट को 25-25 ओवर की 4 पारियों में विभाजित करने के पहले दिए गए सुझावों को याद करते हुए कहा कि इस तरह के बदलाव से दोनों टीमों को समान परिस्थितियों में समान अवसर मिलने वाले हैं, जो टॉस के कारण एक टीम की ओर झुक जाता है। अभी मैच टॉस जीतने वाली टीम के पक्ष में लगभग 90 फीसदी तक झुक जाता है। टी20 क्रिकेट के बढ़ने के साथ-साथ वनडे मैचों की संख्या में भी कमी आई है। हर देश अपनी टी20 लीग तक करा रहे हैं। बड़े देशों के बीच ही द्विपक्षीय सीरीज खेली जा रही है। भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की बात करें, तब इसमें कुल 10 टीमें उतर रही हैं। सभी को 9-9 लीग के मुकाबले खेलने हैं। टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल में जाएगी। इंग्लैंड की टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है। दूसरी ओर भारतीय टीम 2011 से वनडे और टी20 दोनों ही फॉर्मेट का वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है। टीम को 7 जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी उतरना है।

हर घर हो हॉकी की पहचान, अभियान शुरु

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने देश के सभी जिलों को नियमित कोचिंग कैंप और अंतर-जिला प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों में आयोजित पहली हॉकी इंडिया क्षेत्रिय चैंपियनशिप की सफलता के बाद, राष्ट्रीय खेल महासंघ ने सभी सदस्य राज्य इकाइयों से अपने संबंधित जिला संघों के साथ मिलकर काम करने और हॉकी को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए नियमित गतिविधियों की मेजबानी और प्रतिभा तलाश को सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इस पहल का नाम 'हॉकी इंडिया का अभियान हर घर हो हॉकी की पहचान' है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, '' हमने हाल ही में चार क्षेत्र (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) में से प्रत्येक में चार अधिकारियों को तैनात किया है, ताकि हमारे राज्य और जिला इकाइयों को यह बताया जा सके कि इन टूर्नामेंटों और कोचिंग शिविरों की मेजबानी करना न केवल खेल को विकसित करने के लिए बल्कि एक मजबूत खेल संस्कृति बनाने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने कहा, इसतरह के टूर्नामेंट खिलाड़ियों को पहचान दिलाने के साथ खेलों में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के तहत विभिन्न राज्यों में हॉकी स्टिक और बॉल भी बांटे जाएंगें।

प्लेऑफ और फाइनल मुकाबला 23 से 28 मई तक चेन्नई और अहमदाबाद

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के प्लेऑफ और फाइनल के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। बीसीसीआई ने बताया कि प्लेऑफ और फाइनल 23 से 28 मई तक चेन्नई और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। क्वालीफायर एक 23 मई को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा और इसी स्टेडियम में 24 मई को एलिमिनेटर होगा। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम 26 मई को क्वालीफायर दो और 28 मई को फाइनल की मेजबानी करेगा।

तेंदुलकर मेरे लिए सिर्फ क्रिकेट के आदर्श नहीं, बल्कि जीवन के कोच हैं: युवराज

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर युवराज सिंह के लिए सिर्फ एक क्रिकेट के आदर्श नहीं हैं, बल्कि एक ''अभिभावक'' की तरह हैं, जो संकट के समय में मैदान पर और मैदान के बाहर अविश्वसनीय समाधान और सबक देते थे।

सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक और दो विश्व कप जीत के नायक, युवराज भारतीय ड्रेसिंग रूम में तेंदुलकर के सबसे करीबी दोस्तों में से एक रहे हैं और उनके लिए वह जीवन कोच हैं।

तेंदुलकर सोमवार को 50 साल के हो जायेंगे और इन दिनों इंग्लैंड में छुट्टियां मना रहे युवराज ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, '' जब मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलता था तब हमारे पास कोच होते थे लेकिन अगर मुझे अपनी बल्लेबाजी में कोई तकनीकी समस्या आती थी, तो मैं उनसे ही सलाह लेता था। उन्होंने हमेशा समस्या का समाधान प्रदान किया लेकिन वह सिर्फ मेरे क्रिकेट के आदर्श नहीं थे।'' मैदान पर तेंदुलकर के साथ कई यादगार साझेदारी करने वाले युवराज ने कहा, '' मैदान के बाहर भी वह मेरे लिए एक अभिभावक की तरह रहे हैं। जब भी मैंने जीवन में किसी व्यक्तिगत संकट या दुविधा का सामना किया, पाजी (तेंदुलकर) पहले व्यक्ति होते है जिससे मैं सुझाव लेता हूं। उनके पास हमेशा मेरे लिए सबसे अच्छा सबक और सलाह होता था।'' युवराज ने 2011 विश्व कप के उस घटना को भी याद किया जब वह लगातार खांसते उल्टी करते रहते थे और इसके कारण ठीक से अपनी नींद भी पूरी नहीं कर पाते थे। इस दौरान तेंदुलकर ने उनका पूरा साथ दिया। ऐसी स्थिति में भी उन्होंने टूर्नामेंट में अकेले ही 350 से अधिक रन बनाये और 15 विकेट लिये। उनके इस प्रदर्शन से भारत विश्व चैंपियन बना था।

युवराज ने कहा, ''उस समय मुझे भी नहीं पता था कि यह कैंसर है। सचिन नियमित रूप से मेरे संपर्क में रहते थे। अमेरिका में मेरे इलाज के दौरान भी, वह हमेशा मेरे ठीक होने को लेकर चिंतित रहते थे।'' तेंदुलकर के साथ उनकी पसंदीदा मैदानी साझेदारी के बारे में पूछने पर युवराज को एक बहुत ही 'विशेष टेस्ट मैच' को याद किया। उन्होंने कहा, ''अगर आप देखेंगे तो सचिन पारी का आगाज करते थे और मैं छठे क्रम पर बल्लेबाजी करते था, ऐसे में सीमित ओवरों की क्रिकेट में हमें एक साथ बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिला।

खिलाड़ियों के चोरी गए बल्ले, पैड्स और अन्य सामान हुए बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों के चोरी हुए बल्ले, पैड्स, ग्लव्स और अन्य सामान बरामद हो गया है। ये चीजें कुछ दिन पहले बेंगलुरु से दिल्ली की यात्रा के दौरान चोरी हो गयी थीं। दिल्ली के कप्तान डेविड वार्नर ने शुक्रवार को यह पुष्टि की। हालांकि सभी सामान बरामद नहीं हुआ है लेकिन इतना मिलना भी स्वागत योग्य है और दिल्ली के खिलाड़ियों के लिए बड़ी राहत की बात है। वार्नर ने इंस्टाग्राम पर यह स्टोरी साझा करते हुए बरामद सामान दिखाया और लिखा कि उन्होंने दोषियों को पकड़ लिया है लेकिन अब भी कुछ सामान लापता है। जानकारी के अनुसार दिल्ली के कोलकाता नाईट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले से पहले यह खबर आयी थी कि कैपिटल्स के खिलाड़ियों के लाखों रुपये के बल्ले और अन्य सामान यात्रा के दौरान उनके किट बैग्स से चोरी हो गया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच खेलकर राजधानी लौटने के बाद दिल्ली के खिलाड़ियों को पता चला कि 16 बल्ले, पैड्स, शूज, थाई पैड्स और दस्ताने खिलाड़ियों के किट बैग्स से बेंगलुरु से दिल्ली की यात्रा के दौरान चोरी हो गए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मैच खेलने के बाद लौटने पर खिलाड़ियों को जब किट बैग मिले तब उन्हें इस घटना का पता चला। उन्होंने फ्रेंचाइजी अधिकारियों को इस घटना की जानकारी दी जिन्होंने तुरंत आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। समझा जाता है कि चोरी हुए बल्ले कप्तान डेविड वार्नर, आलराउंडर मिशेल मार्श, विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट और यश धुल के थे। आईपीएल इतिहास में इस तरह का यह पहला मामला था।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के साथ ही धोनी ने किया संन्यास का इशारा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने संन्यास का इशारा कर दिया है। इंटरनेशनल क्रिकेट को पहले ही अलविदा कह चुके माही साल में दो महीने सिर्फ आईपीएल ही खेलते हैं। मगर जल्द ही वह इस टूर्नामेंट में भी खेलना बंद कर देंगे। 16वें सीजन में गुरुवार रात सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के बाद उन्होंने कहा कि यह मेरे करियर का आखिरी पड़ाव है। चेन्नई के मशहूर चेपॉक स्टेडियम में मैच खत्म होने के बाद हर्षा भोगले से धोनी ने अपने भविष्य के बारे में बातचीत की। 41 साल के हो चुके धोनी ने कहा, सब कुछ बोला और किया जा चुका है। यह मेरे करियर का आखिरी स्टेज है, चाहे मैं कितना भी लंबा खेलूं। इस लोकप्रिय क्रिकेटर ने प्रशंसकों के भारी समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा आईपीएल पिछले दो सीजन से काफी अलग है। धोनी ने कहा कि दो साल बाद फैंस मैच देखने इस ग्राउंड पर आ रहे हैं। हमें भी यहां आकर अच्छा लगता है। क्राउड ने हमें बहुत प्यार और खूब स्नेह दिया है।

मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के डेवोन कॉनवे का दबदबा देखने मिला, जिन्होंने 57 गेंदों में नाबाद 77 रन की पारी खेली, जो इस सीजन में उनका तीसरा अर्धशतक था। रुतुराज गायकवाड़ (35) के साथ शुरुआती विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी के बूते उन्होंने चेन्नई ने आठ गेंद पहले ही 134 रन का लक्ष्य साध लिया। मैच में विकेट के पीछे धोनी ने गजब की फुर्ती दिखाई। एक शानदार स्टंपिंग की। जबरदस्त केच लपका। जीत के बाद सनराइजर्स हैदरबाद के खिलाड़ी मैदान पर ही धोनी को घेरकर खड़े हो गए और उनसे बातचीत करने लगे। इस दौरान माही ने भी अपना पूरा अनुभव उन युवा क्रिकेटर्स के साथ साझा किया। धोनी ने अपनी कप्तानी में चेन्नई को चार बार चैंपियन बनाया है।

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थो को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५० लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

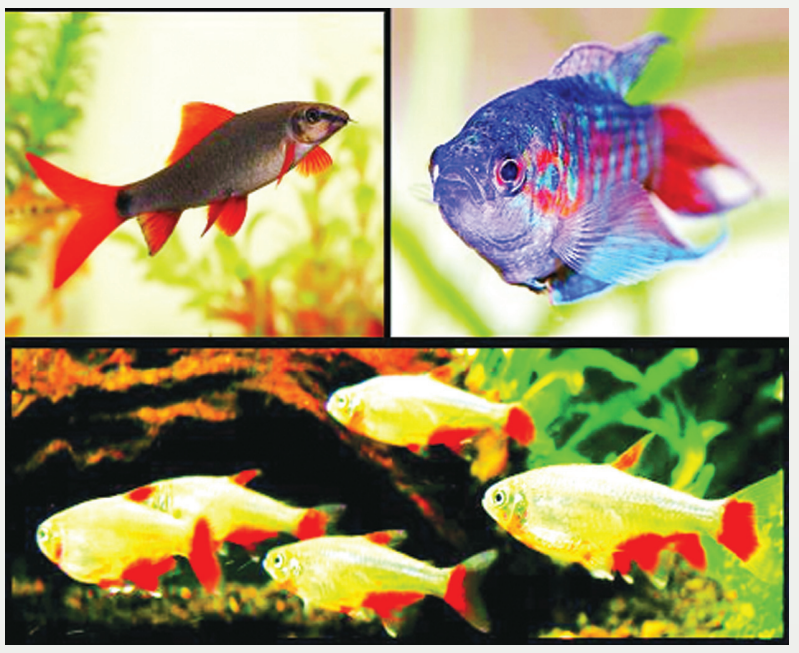

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

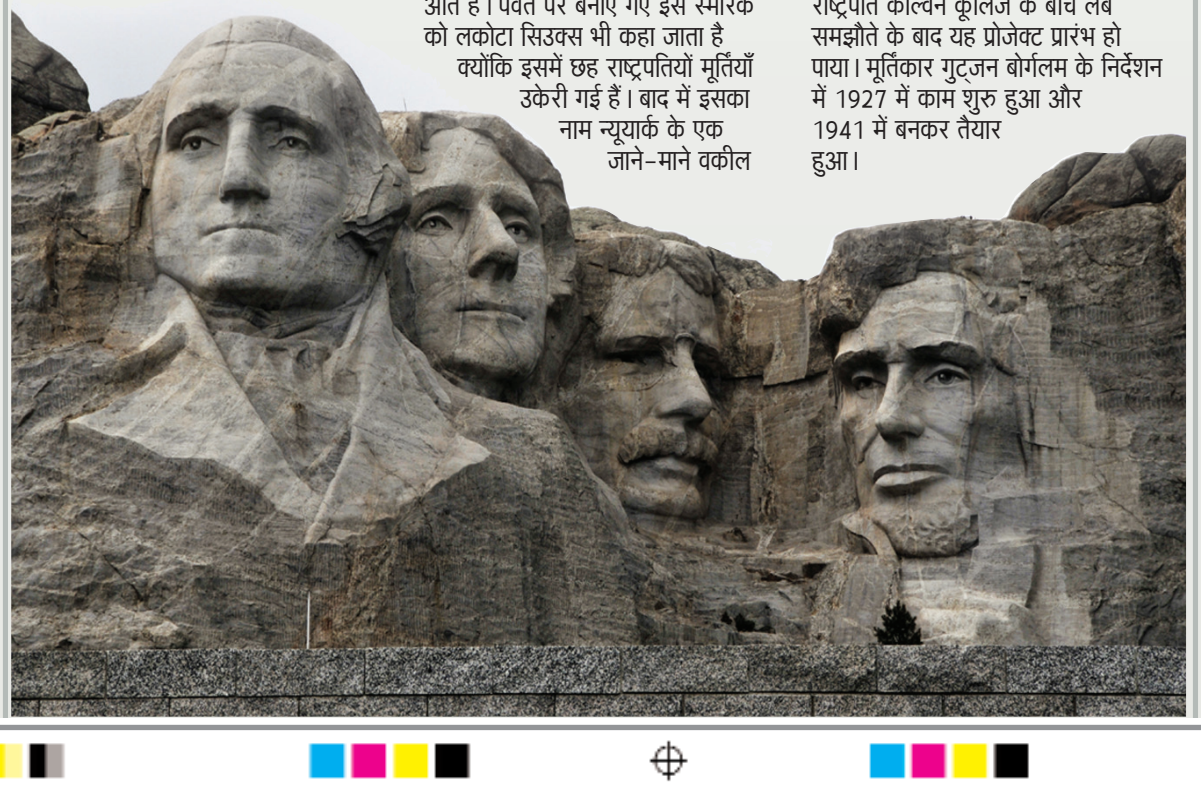

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अनिंका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं।

शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे।

प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अनिंका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे।

यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।'

यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अनिंका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।